जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 87 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 17 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण में इंडिया गठबंधन की एकजुटता का प्रदर्शन

पर, कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई, बाहर से समर्थन देगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्लाह (54) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पाँच अन्य विधायकों ने भी मन्त्री पद की शपथ ली। इनमें सुरिन्दर चौधरी भी शामिल हैं, जो जम्मू के एक व्यवसायी हैं। उन्होंने जम्मू क्षेत्र की नौशेरा सीट से राज्य भाजपा अध्यक्ष रवीन्द्र रैना को पराजित किया था। इस उल्लेखनीय जीत पुरस्कार स्वरूप चौधरी जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री बनाये गए हैं।

श्रीनगर में आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह की अध्यक्षता राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। इससे पहले, पिछले विधानसभा चुनावों में सुरिन्दर जब पी.डी.पी. उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े थे तो उन्हें रैना ने हरा दिया था। इसके बाद सुरिन्दर चौधरी पी.डी.पी. छोड़कर, एन.सी. में शामिल हो गए थे।

श्रीनगर के शेरे-ए-कश्मीर इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर (एस.के. आई.सी.सी.) में आयोजित इस समारोह में जिन चार अन्य विधायकों को शपथ दिलाई गई वे हैं- सतीश शर्मा, सकीना इट्टू, जाविद दर तथा जाविद राना। सतीश शर्मा छम्ब से निर्वाचित निर्दलीय विधायक हैं, जिन्होंने चुनाव के बाद एन.सी. को समर्थन दे दिया था।

- उमर अब्दुल्लाह ने दूसरी बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की शपथ ली। उमर केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री चुने गए हैं, उनके साथ 5 अन्य मंत्रियों ने शपथ ली।
- उमर ने जम्मू के नौशेरा से चुनाव जीते व्यवसायी सुरिंदर चौधरी को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। चौधरी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना को हराया है।
- शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख दलों के नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रकाश करात, डी.राजा, कनिमोई, सुप्रिया सुले प्रमुख थे।
- कांग्रेस के सरकार में शामिल नहीं होने पर अवश्य कुछ सवाल उठे। बताया जाता है कि एक ही मंत्री पद दिए जाने से नाराज़ होकर कांग्रेस ने बाहर से समर्थन देने का निर्णय लिया है।

वर्ष 2009 के बाद, उमर अब्दुल्लाह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले किन्तु अपेक्षाकृत कमजोर मुख्यमन्त्री बनने विशिष्टता अर्जित की है। ज्ञातव्य है कि केन्द्र सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर का "विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था तथा उपराज्यपाल को ज्यादा शक्तियाँ दे दी थीं।"

शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले अब्दुल्लाह ने कहा, "मैं छः वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाला अन्तिम मुख्यमन्त्री था। अब मैं केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का प्रथम मुख्यमन्त्री रहूँगा। छः साल का कार्यकाल पूरा करने की पिछली विशिष्टता को लेकर, मैं काफी प्रसन्न हूँ। किसी केन्द्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री होना पूरी तरह भिन्न स्थिति है। इस पद की अपनी निजी चुनौतियाँ हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि जम्मू-कश्मीर का केन्द्रशासित प्रदेश का दर्जा एक अस्थाई फैक्टर हैं।"

यूनियन टेरिटरी (यू.टी.) जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री सहित, मन्त्रियों के केवल 9 पद हैं। कांग्रेस के छः विधायकों में से किसी ने भी शपथ नहीं ली। दिल्ली में कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि अब्दुल्लाह ने कैबिनेट मन्त्री के केवल एक पद की पेशकश की थी, लेकिन एक पद पार्टी को स्वीकार नहीं था। कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा, "जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के समय कांग्रेस के किसी भी निर्वाचित सदस्य ने शपथ नहीं ली। (पार्टी का यह कदम) जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस न दिए जाने के लिए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हमारे विरोध का प्रतीक है।" उन्होंने कहा

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को सजा

जयपुर, 16 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नशे की हालत में नाबालिग पुत्री से अश्लीलता करने वाले पिता को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 5500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार करने वाला अपराध किया है, इसलिए उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश श्योराण ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर गत 23 मार्च को पीड़िता की मां ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका पति नशे का आदी है।

- पीड़िता की माँ की रिपोर्ट पर जवाहर सर्किल थाने ने 23 मार्च को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था।

पूर्व में परिवार की एक अन्य महिला की शिकायत पर उसे एक साल जेल में रहना पड़ा था। वह कॉलोनी में भी निर्वस्त्र होकर आए दिन तमाशा करता है। बीती रात को उसने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ अश्लीलता की है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मदार में पैंथर ने महिला का शिकार किया

मौके पर युवक के लट्ठ बजाने से पैंथर भाग गया, उपचार के दौरान महिला की मृत्यु

उदयपुर, 16 अक्टूबर (कासं)। आदमखोर पैंथर की तलाश कर रही वन विभाग की टीम को अब तक सफलता नहीं मिली है, वहीं, पैंथर ने बुधवार को एक महिला को अपना शिकार बना लिया। घटना गोगुन्दा-बड़गांव उपखंड सीमा क्षेत्र में आने वाले मदार गांव की है। यह गांव राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा के पास ही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आदमखोर पैंथर ने अपना एरिया बदल दिया है। घटना के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप दो महिलाएं सोयाबीन की फसल काट रही थीं, तभी पैंथर ने हमला बोल दिया। हमले में एक महिला गंभीर रुप से घायल हो गई और उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद एक युवक ने लट्ठ बजाकर पैंथर को भगाया।

जानकारी के अनुसार, मदार बड़ा तालाब के समीप स्थित एक खेत में मांगीबाई (66) व केसी बाई (60) सोयाबीन की फसल काट रही थीं। युवक गणेश ने बताया कि उसकी मां केसीबाई व मांगीबाई तथा वह खुद सोयाबीन की फसल काट रहे थे। इस दौरान अचानक आए पैंथर ने मांगीबाई पर हमला कर उसकी गर्दन जबड़े में दबोच ली। युवक लट्ठ लेकर दौड़ा तो पैंथर मांगीबाई को छोड़ युवक की मां केसीबाई पर हमला करने लगा। युवक ने तेजी से लट्ठ घूमाते हुए पैंथर को वहां से भगाया। हमले में मांगीबाई की मौत हो गई, जबकि केसीबाई, पत्नी चुन्नीलाल घायल है।

- बुधवार को मदार गाँव में दो महिलायें सोयाबीन की फसल काट रही थीं, जब पैंथर ने हमला किया। मांगीबाई की गर्दन पैंथर ने जबड़े में दबोच ली, युवक के लाठी बजाने से पैंथर भाग गया।
- मंगलवार रात बड़गाँव क्षेत्र में रात डेढ़ बजे एक राहगीर ने पैंथर का वीडियो बनाया। पैंथर बछड़े की गर्दन दबोच कर दीवार पर चढ़ रहा था। यह आबादी क्षेत्र हैं, इस कारण दहशत फैल गई है।

डी.एफ.ओ. मुकेश सैनी ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है तथा मदार बड़ा तालाब के आसपास व गांव क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। राठौड़ों का गुडा व केलवों का खेड़ा में वन विभाग की टीम करीब 20 दिनों से पैंथर की तलाश में जुटी है लेकिन वह अभी भी पकड़ से दूर है। आदमखोर पैंथर अब तक नौ जानें ले चुका है।

बताया जा रहा है कि, मंगलवार रात बड़गांव क्षेत्र में भी एक पैंथर देखा गया। रात करीब 1.30 बजे एक राहगीर ने इसका वीडियो बनाया। जिसमें पैंथर बछड़े को गर्दन से दबोचकर 4 फीट ऊंची दीवार पर चढ़ता नज़र आ रहा है। दो दिन पहले पैंथर ने उदयपुर से 7 किमी दूर बडी गांव में एक बाड़े में घुसकर बछड़े को मार डाला था। गोगुंदा क्षेत्र में कई दिनों से पैंथर की दहशत फैली थी, अब बडगांव क्षेत्र में भी पैंथर की आहट नज़र आने लगी है।

बडगांव सरपंच संजय शर्मा बुधवार सुबह मौके पर पहुंचे तथा वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाने की मांग की। पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास ने भी समय रहते पिंजरा लगाने की मांग की है। जिस जगह पैंथर ने गाय के बछड़े का शिकार किया है वह आबादी क्षेत्र है इसलिए लोगों की चिंता

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कैनडा ने भारत पर प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए

पर, कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हुआ तो कैनडा को ज्यादा भारी कीमत चुकानी होगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर नई दिल्ली व ओटावा के बीच चल रहे तनाव का अगला कदम क्या होगा? कैनडा की विदेश मंत्री मैलनी जॉली ने संकेत दिया कि भारत पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर अपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने और कैनडा के नागरिकों को टारगैट करने का आरोप लगाया और कहा, भारतीय एजेंटों के लिप्त होने के कई सबूत हैं। इस आरोप को भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया।

अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगा दिए तो नतीजा क्या होगा?

अगर कूटनीतिक गतिरोध जारी रहा और ओटावा ने प्रतिबंध लगा दिए तो कैनडा को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके संभावित लाभ कम हैं, पर आर्थिक व कूटनीतिक नुकसान ज्यादा है।

- कैनडा का भारत में काफी निवेश है। कैनेडियन पैन्शन फंड ने भारत में 75 अरब कैनेडियन डॉलर्स का निवेश किया हैं, साथ ही कैनडा की 600 कम्पनियाँ यहाँ काम कर रही हैं। प्रतिबंध लगे तो इन निवेशों व कम्पनियों के कामकाज पर प्रभाव पड़ेगा।
- भारत, कैनडा के कृषि उत्पादों का प्रमुख बाज़ार है और अगर कैनडा ने प्रतिबंध लगाए तो ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इस बाज़ार पर आधिपत्य कर लेंगे।
- इन प्रतिबंधों का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि भारत में होने वाले विदेशी निवेश में कैनडा की भागीदारी मात्र 0.57 प्रतिशत है।

भारत में कैनडा के कई आर्थिक हित हैं। कैनडियन पेंशन फंड ने भारत में 75 अरब कैनडियन डॉलर का निवेश किया है और 600 कैनडियन कम्पनियां भारत में काम कर रही हैं। किसी भी प्रकार के प्रतिबंध से इस निवेश का नुकसान होगा। बिज़नैस बाधित होगा, जिससे आर्थिक नुकसान होगा। कैनडा के लिए भारत एक प्रमुख नियति बाज़ार है, कैनडा के कई कृषि उत्पाद जैसे दालें आदि भारत खरीदता है। प्रतिबंध लगाने से कैनडा यह बाज़ार आस्ट्रेलिया के सुपुर्द कर देगा।

प्रतिबंध लगाए जाने पर भारत भी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बकाया गुजारा भत्ते की वसूली पति की जमीन की नीलामी से होगी

जयपुर, 16 अक्टूबर। पारिवारिक न्यायालय क्रम-2 महानगर द्वितीय, ने पत्नी को कई महीने से बकाया चल रही गुजारा भत्ते की राशि, 3 लाख रुपए नहीं देने पर जमवारामगढ़ तहसीलदार को, पति की जमीन कुर्क कर बकाया राशि वसूलने के आदेश दिए हैं। आदेश के बाद तहसीलदार ने पति की ग्राम ताला में खातेदारी जमीन को कुर्क कर भू अभिलेख निरीक्षक को इसकी 5 नवंबर को नीलामी करने को कहा है।

- पारिवारिक न्यायालय ने ग्राम ताला में पति की खातेदारी जमीन कुर्क करके 5 नवम्बर को नीलामी करने को कहा।

अधिवक्ता डी.एस. शेखावत ने बताया कि 5 जून 2012 को प्रार्थिया की शादी अप्रार्थी पति के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने प्रार्थिया को दहेज के लिए प्रताड़ित किया और गाली-

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चीफ मारीगौड़ा ने अचानक इस्तीफा दिया

मारीगौड़ा ने इस्तीफे के बाद बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस्तीफा दिया है, साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। कर्नाटक में एम.यू.डी.ए. (मैसुर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी) "मुडा लैंड स्केम" में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच भाजपा और कांग्रेस में एक रोचक जंग छिड़ गई है जिसके केन्द्र में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया है।

ऐसे समय में जब भाजपा इस मुद्दे पर भड़की हुई है और राष्ट्रपति से मांग कर रही है कि भ्रष्ट एवं हिन्दू विरोधी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त किया जाए, इसी बीच मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी के चेयरमैन के. मैरीगौडा ने निजी कारणों का हवाला देकर पद से इस्तीफा दे दिया। मैरीगौडा को मुख्यमंत्री का करीबी माना जाता है उन्होंने इस्तीफे के कारणों में स्वास्थ्य मन्त्री के अलावा मुख्यमन्त्री के निर्देश को भी कारण बताया है।

लेकिन उन्होंने इस बात से साफ इन्कार किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई राजनैतिक दबाव है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, "मैं मन्त्री महोदय से मिला और उन्हें अपना इस्तीफा दिया। मुख्यमन्त्री ने मुझे इस्तीफा देने का निर्देश दिया था और मैंने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा मेरा स्वास्थ्य का एक बड़ा कारण है, न्यायिक जांच ल रही है चलती रहेगी। जांच पूरी होने के साथ सच्चाई सामने आ जाएगी।"

- मारीगौड़ा के इस्तीफे के बाद कर्नाटक भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। भाजपा नेता राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने की तैयारी में हैं और उनसे भ्रष्ट व हिंदू विरोधी मु.मंत्री सिद्धारमैया को बर्खास्त करने की मांग करेंगे।

समूची कांग्रेस पार्टी मुख्यमन्त्री के पक्ष में एकजुट है और पार्टी ने भाजपा के भ्रष्टाचार के आरोपों को नकार दिया तथा कहा कि भाजपा कर्नाटक हारने से निराश है इसलिए "मुडा स्कैम" को मुद्दा बना रही है। इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट जांच का आदेश दे चुका है और जांच चल रही है। लेकिन राज्य के भाजपा नेता मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि अगर पुलिस उनके मातहत काम कर रही है तो स्वतंत्र जांच कैसे हो सकती है। उन्हें जांच चलने तक इस्तीफा दे देना चाहिए।

इस समय मुडा चेयरमैन जिन्होंने मुख्यमन्त्री की पत्नी द्वारा लौटाई गई जमीन स्वीकार कर ली थी, के इस्तीफे ने आग में घी डाल दिया है।

मैरीगौडा ने कहा, "मेरे ऊपर इस्तीफा देने के लिए कोई दबाव नहीं था। मेरा स्वास्थ्य वास्तव में ही ठीक नहीं चल रहा है, इसलिए मैं स्वेच्छा से ही पद से हट रहा हूँ। मैं मुख्यमंत्री को पिछले 40 साल से जानता हूँ। उन्होंने मुझे जिलाध्यक्ष नियुक्त किया तथा कभी भी कोई गैर कानूनी काम करने के लिए नहीं कहा, एम.यू.डी.ए. के सम्बन्ध में भी नहीं। मैं निजी कारणों से इस्तीफा दे रहा हूँ। मुझे दो स्ट्रोक आ चुके हैं तथा अब मैं पद पर नहीं सकता।" एम.यू.डी.ए. अधिकारी को पिछले महीने अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था क्योंकि उन्होंने लम्बी सड़क यात्रा के दौरान थकान एवं कष्ट की शिकायत की थी। उनका इलाज मैसुरू अस्पताल में हुआ था।

मामला यह है कि, मुख्यमंत्री की पत्नी बी.एम. पार्वती की जो जमीन मैसूर डवलमैंट अथॉरिटी ने अधिग्रहीत की थी उसके ऐवज में उन्हें जो जमीन अलॉट की गई वो मैसूर के एक महंगे क्षेत्र में है और उस संपत्ति की कीमत अधिग्रहित भूमि से अधिक है। इधर, भाजपा ने सन् 2022 में हुबली पुलिस

(शेष पृष्ठ 3 पर)

न्याय की देवी की आँखों से पट्टी हटी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। फिल्मों और अदालतों में आंखों पर बंधी पट्टी के साथ न्याय की देवी की मूर्ति को सभी ने देखा होगा। लेकिन, अब नए भारत की न्याय की देवी की आंखें खुल गईं हैं। यहां तक कि उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान आ गया है। कुछ समय पहले ही अंग्रेजों के कानून बदले गए हैं।

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ के निर्देश से न्याय की देवी की मूर्ति में यह बदलाव किया जा रहा है। अब मूर्ति के हाथ में संविधान होगा।

अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश युग को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अचानक क्यों बढ़ गई हैं विमान में बम की अफवाह फैलाने वाली फ़र्ज़ी कॉल्स?

कहीं इसका उद्देश्य, तेजी से बढ़ रही इंडियन एविएशन इंडस्ट्री की छवि खराब करना तो नहीं है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। पिछले 48 घंटों में कई स्रोतों से बार-बार आ रही बम की अफवाहों के परिणामस्वरुप भारतीय विमानन (एविएशन) उद्योग ठप्प सा हो गया है। विभिन्न एविएशन कंपनियों की 12 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली है और सभी फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं।

भारत की एयरलाइन्स को मिलने वाली बम की धमकियों में अचानक आई तेजी संबंधित अधिकारियों के लिए भारी सिर दर्द बन गई है। नागरिक विमानन मंत्रालय ने डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा की है, जो कि मुख्य रुप से भारतीय विमानन उद्योग के संचालन के साथ-साथ सुरक्षा के लिए जिम्मेवार है।

जानकारी के अनुसार, बम की धमकी देने वालों के बारे में कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन, एजेन्सियाँ अभी तक धमकी देने वालों तथा उनसे संबंधित लोगों की पूरी पहचान नहीं कर पाई हैं। लेकिन, एयरलाइन्स के बारे में लगातार दी जा रही ऐसी फर्जी धमकियाँ उनकी प्रतिष्ठा को तथा बिज़नैस को नुकसान पहुँचा सकती है।

सौभाग्यवश, अभी तक, इन फर्जी कॉल्स के बाद फ्लाइट्स पर कोई बम नहीं मिले हैं। तथापि, बम की धमकी की इन कॉल्स को, किसी भी सूरत में कभी भी सहजता से नहीं लिया जा सकता है।

एयरलाइन्स के संचालन के लिए बम की अफवाह सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इनसे यात्रियों की सुरक्षा जोखिम में पड़ती है।

- विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में एविएशन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, ना केवल विदेश जाने वाली उड़ानों की मांग बढ़ी है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी मांग बढ़ी है। एयरलाइन कम्पनियाँ नए विमान खरीद रही हैं। क्या बाज़ार के अन्य प्रतिस्पर्धी सुरक्षा का डर पैदा करके भारतीय विमान सेवाओं की साख खराब कर रहे हैं।
- एक संदेह और पैदा हो रहा है कि बार-बार फर्ज़ी कॉल्स आने से एयरलाइन्स व सुरक्षा एजेंसियाँ लापरवाह होकर सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल्स में लापरवाही बरत सकती हैं, जिससे आतंकियों को अपने मंसूबे पूरे करने में मदद मिल सकती है।

प्रश्न यह है कि भारतीय एयरलाइनों को अचानक इतने अधिक ऐसे फर्जी कॉल्स क्यों मिल रहे हैं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या इन फर्जी धमकियों के पीछे और भयावह योजनाएं तो नहीं हैं। क्योंकि खतरा यह है कि, फर्जी धमकियों के बढ़ने के साथ एयरलाइन्स या सुरक्षा एजेन्सियाँ बेपरवाह व असावधान हो सकती हैं तथा सिक्यूरिटी प्रोटोकॉल्स को नज़र अंदाज़ करना शुरु कर सकती हैं।

शिकागो से बॉम्बे की एक एयर इण्डिया फ्लाइट को दूरस्थ आर्कटिक क्षेत्र के एक कैनेडियन एयरपोर्ट पर एमरजैन्सी लैण्डिंग करनी पड़ी। हवाई जहाज के सभी यात्रियों को फिर एक कैनेडियन मिलिटरी एयरक्राफ्ट से शिकागो भेजना पड़ा।

दूसरी तरफ, सिंगापुर में, सिंगापुर आर्म्ड फोर्सेज़ के एफ 16 फिशर जैट्स ने, एयर इण्डिया एक्स्प्रैस की एक फ्लाइट को एस्कॉर्ट करके चांगी एयरपोर्ट पर उसकी लैण्डिंग करवाई। वर्तमान में सिंगापुर की अथॉरिटीज़ उक्त एयरक्राफ्ट की जांच कर रही हैं।

इसी प्रकार, बॉम्बे से न्यूयॉर्क जा रही एयर इण्डिया की एक फ्लाइट को टेक ऑफ के बाद, इसी प्रकार की बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली भेजना पड़ा।

इस तरह की बम की फर्जी कॉल्स लंबी अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों तक ही सीमित नहीं हैं। कम दूरी की घरेलू उड़ानों के साथ भी ऐसा हुआ है। इसी तरह की फर्जी धमकी के बाद स्पाइस जैट की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा था।

बार-बार आने वाली इन धमकी भरी झूठी कॉल्स से फ्लाइट शिड्यूल में व्यवधान आता है तथा उड़ाने प्रभावित

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बम की धमकीः 7 फ्लाइट्स की इमरजैंसी लैडिंग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। इंडियन एयरलाइंस की सात और फ्लाइट्स में बुधवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 3 दिन में 19 विमानों को बम

- जाँच में सभी धमकियाँ झूठी निकलीं, पर, केन्द्र ने उड़ानों में एयर मार्शलों की संख्या दुगुनी करने का निर्णय लिया।

की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था।

जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं। उनका पार पाना कठिन है। –माघ

चुनाव में हारते ही ईवीएम की पिटाई, कब तक?

हरयाणा के चुनाव सम्पन्न हुए। भाजपा विजयी हुई। कांग्रेस के लिए करीब-करीब सारे टीवी चैनल्स, राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा विजय का आकलन था, जो 100 प्रतिशत गलत सिद्ध हुए।

हारी हुई कांग्रेस नें ओर बातों के साथ-साथ, ईवीएम पर भी अपनी हार का ठीकरा फोड़ा है। चुनाव आयोग को शिकायत की है। चुनाव आयोग कब और क्या करेगा अल्लाह, (नहीं-नहीं अकेला अल्लाह क्यों, सनातनी देवता, देवियां भी) जाने।

खैर इस बीच मंदिर में बैठे एक समूह में, ईवीएम पर कुछ रोचक और कुछ कुछ गम्भीर बातें सुनी, वो ही आपको भी सुनता हूँ।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि–जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

दूसरे का उत्तर था–चुनाव आयोग के अनुसार, EVM स्टैंड अलोन मशीन है, बाहर के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल्स से पूर्णत: कटऑफ है, इसलिए इसको हैक नहीं किया जा सकता।

पहले नें कहा EVM सॉफ्टवेयर आधारित उपकरण है तो दूर से ऑपरेट क्यों नही हो सकती? सॉफ्टवेयर को डिजाइन इस ढंग से किया जा सकता है कि कुछ इंटरवल्स पर, पूर्व से मशीन में इंस्टाल किए प्रोग्राम के अनुसार वोटों की, एक उम्मीदवार के लिए सेलेक्टिव रिकार्डिंग शुरू कर दे और कुछ अंतराल में फिर वोटों की नॉर्मल रिकार्डिंग शुरू कर दे।

दूसरे का उत्तर था बात गले तो नही उतर रही।

अब तक शान्त तीसरे व्यक्ति नें बोला कि 6, 7 बार तो सुप्रीम कोर्ट, ईवीएम से चुनाव न करने वाली व इसमें गड़बड़ी की आशंकाओं वाली याचिकाएं खारिज कर चुका है। भारत के चुनाव आयोग नें भी सभी राजनीतिक दलों व आपत्ति करने वालों को अवसर दिया था कि उनके समक्ष ईवीएम को हैक करके दिखाओ..**किन्तु अभी तक तो कोई हैकिंग का प्रदर्शन कर नहीं सका।**

पहले व्यक्ति का प्रति उत्तर था कि अब तक कोई कर नहीं सका, इस से यह प्रमाणित नहीं होता कि यह मशीन हैक नही हो सकती। कोइ ईलेक्ट्रॉनिक उपकरण ऐसा नहीं हो सकता जिसको दूर से, इच्छानुसार, संचालित नहीं किया जा सकता। घर से बाहर रहते हुए फ्रिज, पंखे, टीवी, पीसी ऑपरेट किए जा सकते हैं तो फिर EVM क्यों नहीं??

इस तर्क के विपरीत समूह के एक दूसरे व्यक्ति का कहना था कि एक विधान सभा क्षेत्र में चुनाव कराने के लिए शुरू से अंत तक कम से कम 400, 500 व्यक्ति विभिन्न समय, विभिन्न प्रकार के काम करते है। इतने आदमियों के मध्य जो कार्य सम्पन्न हो, वहां से कोई EVM मशीन हैक कर दे बात समझ में तो नहीं आती।

अगर यह तर्क हो कि मतदान वाले दिन कोई ऐसा कर सकता तो भी मतदान दल के 6, 7 व्यक्तियों के बीच यह बात गोपनीय रह नही सकती। मान लो तर्क यह हो कि जिस प्रेजाइडिंग अधिकारी के पास मशीन को मतदान के लिए चालू बंद करने का अधिकार है, वह हैकिंग करना चाहे तो भी गोपनीय रखना मुश्किल ही लगता है।

लेकिन मान लें कि यह पीठासीन व्यक्ति किसी विशिष्ट पार्टी से संचालित विश्वशनीय व्यक्ति है तो भी उसे हैक करने वाला सॉफ्टवेयर तो पहले से देना पड़ेगा और यह भी अति गोपनीय ढंग से हो सके, ऐसी संभावनाएं भी शून्य जैसी लगती है। यदि ऐसा किया भी जा सके तो कितने पोलिंग बूथ्स पर यह करने पर किसी उम्मीदवार को जिताया जा सकेगा?? और किसी पार्टी को जिताने के लिए कितने निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसा करना पड़ेगा ?? और क्या इतने बड़े पैमाने पर यह गोपनीयता बरकरार रखी जा सकती है??? शायद नहीं।

चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायतें भी होती है और निर्वाचन अधिकारी, चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक मौके पर पहुंच कर समाधान भी करते है।

एक व्यक्ति का प्रश्न था कि–जब हजारों मील दूर से बैंक एकाउंट, हवाई जहाज हैक हो सकते है, भूले-बिसरे से उपकरण पेजर के माध्यम से दुश्मन के ठिकाने ध्वस्त किए जा सकते है, एयरपोर्ट, एम्स जैसे अस्पतालों का पूरा सिस्टम स्टैंडस्टिल किया जा सकता है तो फिर EVM को हैक क्यों नहीं किया जा सकता?

इस पर एक दूसरे व्यक्ति नें कहा से मतदान और विविपेट मशीन पर भिन्न व्यक्ति नाम आने से सम्बन्धित शिकायत का तो कोई संतोषप्रद समाधान नहीं होता।

उसने आगे बताया कि उसके एक दोस्त नें वोट किसी को दिया और विविपेट मशीन पर नाम किसी ओर का दिखाया। उसने तत्काल जिला निर्वाचन अधिकारी व ECI को शिकायत की। उसके पास टेलीफोन भी आया। उसे मतदान केंद्र पर वापिस बुलाया, उसे सुना। जो दल सुनवाई करने आया, उसने कहा, **सबसे पहले आपको शपथपत्र** देना होगा कि यदि शिकायत गलत पाई तो आपराधिक कार्यवाही की जा सकती है।

पहली बात तो यह थी कि आपराधिक कार्यवाही के लिए शपथपत्र की आवश्यकता, वह बिना इसके भी की जा सकती है। **उस व्यक्ति नें आगे कहा कि उसके दोस्त नें पूछा कि शपथपत्र देने से पहले यह बताई की जांच कैसे करोगे??**

इस पर मोटामोटी उस टीम का कहना था, इस मशीन को हटा के दूसरी मशीन से आगे की वोटिंग होगी। उसका भी टेंडर वोट डलवाया जाएगा। उस मशीन को शील किया जाएगा और गणना के समय कम्पनी के टेक्निकल अधिकारी जिस वोट पर ऑब्जेक्शन हुआ उसे अलग करेंगे आदि आदि....।

मेरे खपती दोस्त नें कहा बात समझ में नही आई कि उसका पहली मशीन में डाल वोट अलग से कैसे पहचाना जाएगा? उसके उस टीम की बात समझ में नही आई और उसने शपथपत्र नहीं दिया। मतदान के बाद व गणना सम्पन्न होने के बाद ECI से उसके पास मेल आया कि आपकी शिकायत का समाधान कर दिया गया।

पहले वाले व्यक्ति नें फिर कहा कि पीठासीन अधिकारी और हैकिंग वाली जो बात कही उस से भी यह तो सामने आता ही है कि यदि पीठासीन अधिकारी चाहे तो हैकिंग सम्भव है!! जब हजारों किलोमीटर से पेजर को सिग्नल देकर सर्किट को चालू कर विस्फोट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन को सिग्नल क्यों नहीं दिया जा सकता?? सॉफ्ट वेयर है तो हैकिंग सम्भव है। हैकर किसी के खाते से पैसे निकाल लेते है और एकाउंट फिर चालू कर देते है **तथा सॉफ्टिस्टकेटेड हथियारों से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते है जहां पूर्व स्थापित सॉफ्टवेयर को दूर से सिग्नल भेज कर ऑपरेट किया जा सकता है और किया जाता है।**

हैकिंग को नामुमकिन मानने वालों में से एक नें कहा मशीन वोटिंग के लिए तैयार करने से लेकर, चुनाव सम्पन्न होने तक की सारी कार्यवाही उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट्स के सामने होती है।कितने वोट पड़े उसका पूरा विवरण उन्हें दिया जाता है। **गड़बड़ी की शून्य गुंजाइस है।**

हैकिंग को सम्भव मानने वाले भाई नें मैदान नहीं छोड़ा और उसका सबसे बड़ा तर्क था कि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक गजेट दूर से ऑपरेट किया जा सकता है तो वोटिंग मशीन भी हैक कर मन माफिक वोटिंग के लिए ऑपरेट की जा सकती है।

अभी तक शांत एक व्यक्ति नें कहा कि चुनाव कराना कोई बड़ी बात नहीं, उनकी **विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है।** चुनाव तो अफ्रीका, साउथ अमेरिका, कई एशियन देशों से में भी होते है किंतु जनता परिणामों पर विश्वास नहीं करती और **ऐसे कई देशों में लोकतंत्र हिचकोले ही खाता** रहता है। पड़ोसी देश पाकिस्तान ही को उदाहरण के लिए ले ले।

भारत का चुनाव आयोग एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लोकतंत्र की रक्षा करने वाली संस्था है। इसकी कार्यप्रणाली स्वत:, रति भर सन्देह से भी परे पारदर्शी होनी चाहिए किन्तु क्या हमारे ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है? **टीएन शेषन से लेकर कई अन्य चुनाव आयुक्तों पर नि:सन्देह देश को गर्वित होना चाहिए किन्तु क्या अब ECI पर ऐसा गर्व किया जा सकता है, शायद नहीं।**

अभी तक शांत एक व्यक्ति एकाएक कुछ आवेशित सा होकर बोला कि **कुछ लोगों की हमेशा देश व देश की संस्थाओं को नीचा दिखाने की आदत हो गई है । मौके, बेमौके केवल आलोचना करना ही उनका काम है।**

साथ वाले नें थोड़ा शांत करवाते हुए कहा,भाई जान, प्रश्न पूछना से देश व देश की संस्थाएं बदनाम नही मजबूत होती है। देश व संस्थाएं कोई छुई मूई के पौधे है जो अलीचना हुई नहीं कि मुरझा जाए।

चुनाव प्रक्रिया से जनता संतुष्ट हो, ECI के लिए यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में रैंडम चयनित 2, 4, 5 % पोलिंग बूथ्स पर विविवेट्स की भी गणना की जानी चाहिए, जिस से इस मशीन से चुनाव कराने पर लोगों को संतुष्टि हो, कोई संदेह न रहे। विभिन्न राजनीतिक दलों व रेपुटेड संगठनों की अर्जियों पर शीघ्रातिशीघ्र सुनवाई की जानी चाहिए ताकि उनके माध्यम से जनता को EVM की विश्वशनियता पर संतुष्टि हो।

और अंत में, ECI द्वारा यह कहना कि EVM हैक नहीं हो सकती, पर्याप्त नहीं। ECI को विस्तार से जनमानस को संतुष्ट करने चाहिए कि जन मानस में जो कई प्रकार के प्रश्न है, उनके होते हुए भी, EVM क्यों नही हैक हो सकती?? शांतिपूर्वक, यथाविधि कराना ECI का दायित्व है और उस से भी उपर है इसकी विश्वशनियता हो।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

महामारी का रूप लेता जा रहा डेंगू प्रकोप

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही डेंगू के कारण मौत के आंकड़ें अधिक ना हो पर यह साफ है कि देश दुनिया में डेंगू का प्रकोप महामारी की तरह बढ़ता जा रहा है। देश के किसी भी हिस्से में चले जाओं डॉक्टरों व क्लिनिकों के बाहर बुखार से पीड़ितों की लंबी कतार देखी जा सकती है। डेंगू का पता ही तीन चार दिन बाद चलता है ऐसे में शुरुआत में तो बुखार का ही ईलाज किया जाता है। डेंगू की सामान्य धारणा प्लेटरेट्स में कमी आने को माना जाता है पर उससे भी गंभीर हो जाता है बीपी का अनियंत्रित खासतौर से बीपी स्तर में कमी आना होता है। डेंगू में उल्टी आना भी संकट का कारण बन जाता है। उल्टी के कारण डिहाईड्रेशन भी गंभीर हालत में ले जाता है। डेंगू का असर लीवर पर होता है। इसलिए डॉक्टरों द्वारा आराम करने की सलाह के साथ ही शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की सलाह दी जाती है।

एलोरा के ज्यूस व तरल पदार्थ अधिक लेने का सुझाव होता है तो कोल्ड ड्रिंक का उपयोग नहीं करने की सलाह भी दी जाती है। डेंगू की चार स्टेज मानी जाती है और खासतौर से डीएसएफ यानी डेंगू हेमरेजिंग फीवर और उससे भी अधिक डीएसएस यानी कि डेंगू शॉक सिन्ड्रोम अधिक गंभीर हो जाता है। खैर चिंता की बात यह है कि देश में इस समय तेजी से डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बरसात में पानी जमा होने से डेंगू का मच्छर आसानी से उसमें पनप जाता है और सामान्यत: सुबह और शाम को ही अपना असर दिखाता है। कहा तो यह भी जाता है कि डेंगू मच्छर की पहुंच सामान्य आदमी के पांवों तक ही होती है। पर असर गहरा दिखाता है। भले ही हम कितने ही दावें करें पर साफ-सफाई की व्यवस्था हमारे शहरों में अच्छी नहीं है और उसका परिणाम मच्छर जनित रोगों का अत्यधिक यहां तक कि छठ-बारह महीने देखने को मिल जाता है। अब तो मच्छर गर्मी के मौसम में भी अपने आप को एडजस्ट करने लगे हैं।

भारत सहित दुनिया के देशों में बरसात के मौसम से डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगता है। हांलाकि पिछली गर्मियों में भी डेंगू के मामलें बहुत ज्यादा सामने आये। लाख प्रयासों के बावजूद डेंगू पर नियंत्रण हो नहीं पा रहा है। डेंगू का प्रकोप दुनिया के अन्य देशों की तरह ही हमारे देश में भी 1780 से ही देखा जा रहा है। दुनिया के देशों में जहां 1779-80 में एशिया, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका आदि में पहली बार देखे गए वहीं 1780 में भारत में मद्रास जो अब चैन्नई में सामने आया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यत: डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हांलाकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यत: यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंत:स्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईडेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में डोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है। जमा पानी और गंदगी आदि में डेंगू मच्छर तेजी से बढ़ते हैं। जुलाई से सितंबर, अक्टूबर तक डेंगू का प्रकोप अधिक रहता है। शुरुआती दो तीन दिन तक तो जांच में पता ही नहीं चलता है। डेंगू में 3 से 7 दिन अधिक गंभीर होते हैं। प्लेटरेट्स में तेजी से गिरावट होती है। हांलाकि डेंगू के कारण मौत तुलनात्मक रुप से कम है पर डेंगू का प्रभाव क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एंटीडेंगू मच्छर शुभ संकेत माने जा सकते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए देश में ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इंदोर में डेंगू मच्छरों को नष्ट करने के लिए ड्रोन के उपयोग का निर्णय किया गया है। देश के अन्य हिस्सों में भी ड्रोन का उपयोग प्रयोग के रुप में किया जाने लगा है। सवाल साफ है कि डेंगू के प्रकोप को चुनौती के रुप में लेते हुए सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी और गैरसरकारी सभी संस्थाओं को आगे आना होगा और सबसे अधिक लोगों में अवेयरनेस के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और सफाई के प्रति चेतना विकसित करनी होगी। आज खेती में ड्रोन का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मच्छरों के रोकथाम के लिए ड्रोन का प्रयोग अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकता है। शहरी सरकार को ड्रोन का उपयोग करते हुए फोगिंग करानी चाहिए और मच्छरों को फैलने से रोका जाना चाहिए। इसके लिए सरकारी अस्पतालों में डेंगू के ईलाज पर नि:शुल्क दवा वितरण के बजट का कुछ अंश भी इस पर खर्च किया जाता है तो डेंगू को रोकने के कारगर प्रयास हो सकते हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

उदयपुर के डॉ. पण्ड्या की शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन

आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है : केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली के एक होटल में उसानास फ़ाउण्डेशन उदयपुर (राजस्थान) के संस्थापक और सीईओ डॉ. अभिनव पण्ड्या की श्रमसाध्य शोध पुस्तक "इनसाइड द टेरिफाइंग वर्ल्ड ऑफ जैश-ए-मोहम्मद" का विमोचन किया।

इस अवसर पर दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) तेजेंद्र खन्ना, पूर्व राजदूत एवं जाने-माने लेखक और साहित्यकार अनिल त्रिगुणायत, कई अनुभवी राजनयिक और शिक्षाविदों के साथ ही रक्षा प्रतिष्ठान के वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा मौलिक उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मैंने एक राजनयिक के रूप में अपने करियर के दौरान आतंकवादी समूहों द्वारा 'विचारधारा' के रूप में पेश की गई दोषपूर्ण कथाओं से बहुत शिद्धत के साथ निपटा है और हमेशा यह माना है कि आतंकवाद मानवाधिकारों के सिद्धान्तों के खिलाफ एक बड़ा अपराध है। पुरी ने कहा कि मुझे अत्यधिक ज्ञानवान दर्शकों की इस बड़ी सभा में शामिल होकर बहुत प्रसन्नता हुई है। इस अवसर पर पुस्तक चर्चा सत्र में पूर्व उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर के साहनी, भारतीय सेना के सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हुसैन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अतिरिक्त सचिव शिव मुरारी सहाय तथा डॉ. अभिनव पण्ड्या ने पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

प्रारम्भ में उसानास फ़ाउण्डेशन की निदेशक डॉ. अनीता जैन ने फ़ाउण्डेशन के उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकार रहे डॉ. अभिनव पण्ड्या की पुस्तक का यह तीसरा संस्करण हैं।

केन्द्रीय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में डॉ. अभिनव पण्ड्या की शोध पुस्तक का विमोचन किया।

बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर लगाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर और श्रीगंगानगर बॉर्डर पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए चार बीओपी पर एंटी ड्रोन सिस्टम और एक जैमर लगाया गया है। अब तस्करों को पकड़ने के लिए सड़कों पर 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है।

बीकानेर से सटी भारत-पाक सीमा पर तीन साल में 18.53 किलो हेरोइन, 26.88 किलो अफीम, 56910 टर्माडोल, हथियार और सात संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं। पिछले दिनों नीलकंठ बीओपी एरिया में 11 करोड़ की हेराइन मिली थी। इस मामले में छह तस्कारों को पकड़ा गया था, जिसमें तीन पंजाब के थे। हेरोइन तस्करी की ज्यादा घटनाएं अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर बॉर्डर एरिया में हो रही हैं। इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने और तस्करों को पकड़ने के लिए रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने 266 सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव सरकार को भेजे हैं। यह कैमरे बॉर्डर के गांवों के अलावा भारतमाला पर भी लगाए जाएंगे। इन कैमरों से दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों पर पर नजर रहेगी। वारदात होने पर उन्हें जल्दी ट्रैस कर पकड़ा जा सकेगा। हालांकि हेरोइन तस्करी रोकने के लिए चार सीमा चौकियों पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा एक स्थान पर जैमर भी लगाया है। पाक ड्रोन उसकी रेंज में आने के बाद बेअसर होकर नीचे गिर जाता है।

■ **हेरोइन तस्करी को रोकने के लिए मददगार साबित होंगे एंटी ड्रोन सिस्टम और जैमर**

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत राजस्थान की पश्चिमी सरहद के इलाकों के रहने वाले युवा भी पाक की नापाक हरकतों को रोकने में बीएसएफ के मददगार बन रहे हैं। बॉर्डर के 5 गांवों के 80 युवाओं को प्री रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग के जरिए केंद्रीय सुरक्षा बल और केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बलों में जाने की राह दिखाई जा रही है। इसकी जिम्मेदारी बीएसएफ में तीन बटालियनों को दी गई है। अलादीन, 33केजेडी गांव 114 बटालियन, गोकुलगढ़ 124 बटालियन, 16 केएनडी और 21 केएनडी के युवाओं को 140 बटालियन के जवान ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस दौरान युवाओं को रोज सुबह फिजिकल एक्सरसाइज, योगासन के बाद जनरल अवेयरनेस, मेंटल एप्टिट्यूड, मैथेमेटिक्स, कंप्यूटर, इंग्लिश ग्रामर भी पढ़ाई जाती है। इनमें स्कूल, कॉलेज छात्रों के अलावा वे युवा भी हैं, जो सेना में भर्ती होने या सरकारी नौकरी पाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के डीआईजी अजय लूथरा ने बताया कि सिविक एक्शन प्रोग्राम सालभर चलता है, जिसमें गांव के स्कूली बच्चों को अध्ययन सामग्री और खेलकूद के लिए किट दिए जाते हैं। उसी के तहत इन युवाओं को भी स्पोर्ट्स किट और स्टडी मेटेरियल दिया गया है।

राशिफल गुरूवार 17 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र सायं 4:20 तक, हर्षण योग रात्रि 1:42 तक, विष्टि करण प्रात: 6:48 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:20 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। भद्रा प्रात: 6:48 तक है। आज कार्तिक संक्रांति सूर्य तुला में प्रवेश प्रात: 7:42, पूण्य काल 2:07 तक है। पंचक सायं 4:20 पर समाप्त होंगे। आज सत्य व्रत, कार्तिक स्नान आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ-अमृत 12:14 से 3:07 तक, शुभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:31, सूर्यास्त 5:53

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक तनाव और भय बना रहेगा।

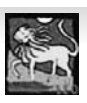

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु

घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने म्यूनिख यात्रा में बड़ी कम्पनियों के अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग लिया। उन्हें जर्मनी में राजस्थान के लिये निवेश आमंत्रित करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है।

वेलनैस टूरिज़्म-एडवैंचर टूरिज़्म के लिये द्वार खोलेंगे- भजनलाल

म्यूनिख में आखिरी दिन फ्लिक्सबस कम्पनी के राजस्थान में विस्तार का एम.ओ.यू. साइन हुआ

- **जर्मनी की तीन दिन की व्यस्त व सफल यात्रा के बाद मुख्यमंत्री का प्रतिनिधिमंडल लंदन पहुँचा, जहाँ 16 से 19 अक्टूबर को बड़ी कम्पनियों, कारोबारियों व प्रवासी राजस्थानियों से सम्पर्क होगा।**
- **ऑटोमोटिव कॉम्पोनैंट कम्पनी, वेडली टेक्निकल जी.एम.बी.एच. की महाराष्ट्र में एक इकाई है। रोड शो के दौरान कम्पनी की दूसरी इकाई राजस्थान में लगाने का एम.ओ.यू. हुआ।**

म्यूनिख, 16 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जर्मनी यात्रा के तीसरे दिन आज ट्रैवल-टैक कंपनी फ्लिक्स बस के म्यूनिख (जर्मनी) स्थित मुख्यालय का दौरा किया और इसके आला अधिकारियों से बातचीत की। फ्लिक्स बस कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ आंद्रे श्वाम्लेन, और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मैक्स ज़्यूमर के साथ हुई इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच राजस्थान में निवेश करने और राज्य के अंदर कंपनी के परिचालन के विस्तार हेतु एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया गया।

फ्लिक्स बस परिवहन क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है और राजस्थान में इसका पहले से कारोबार है। इस कंपनी के साथ हुई साझेदारी का उद्देश्य राज्य में ट्रांसपोर्ट कनैक्टिविटी को बढ़ाना, परिवहन सेवाओं में सुधार करना और राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देना है, ताकि रोजगार के नए अवसरों का निर्माण हो सके।

इस मीटिंग के साथ ही, "राइज़िंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024, के तहत जर्मनी के निवेशकों से सीधे आउटरीच का दौर आज समाप्त हो गया और इसके बाद, राज्य सरकार का यह प्रतिनिधिमंडल अब इंग्लैंड की राजधानी लंदन के लिए रवाना हो गया है। लंदन में 16 से 19 अक्टूबर तक के प्रवास के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य वहां की बड़ी कंपनियों, कारोबारियों और कॉरपोरेट्स से मुलाकात करेंगे, "राइज़िंग राजस्थान" लंदन इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लेंगे और प्रवासी राजस्थानी समुदाय से मुलाकात करेंगे।

इससे पहले, कल देर रात (म्यूनिख के समयानुसार), राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जर्मनी के म्यूनिख शहर में "राइज़िंग राजस्थान" टूरिस्ट मीट में राज्य सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया और मोबिलिटी, इंजीनियरिंग, कन्सल्टिंग, ऑटोमोटिव और स्वास्थ्य क्षेत्रों की प्रमुख जर्मन कंपनियों से मुलाकात की।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी वेउली टेक्निक्स जीएमबीएच के साथ बैठक के दौरान राजस्थान में इस क्षेत्र में उपलब्ध निवेश अवसरों पर बातचीत की गई।

कंपनी की महाराष्ट्र में पहले से ही एक इकाई है और कल म्यूनिख में आयोजित निवेशक रोड शो के दौरान इसने राजस्थान में अपनी दूसरी ऑटोमोटिव पार्ट्स निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया है।

म्यूनिख में कल देर शाम आयोजित विशेष राइजिंग राजस्थान पर्यटन मीट में बोलते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, -किलों और महलों के अलावा राजस्थान के अंदर पर्यटन के कई नए द्वार खोले जा रहे हैं और प्रदेश के अंदर लग्ज़री रिसॉर्ट्स, इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, वेलनेस टूरिज़्म और एडवैंचर टूरिज़्म जैसे पर्यटन के कई क्षेत्र में अपार अवसर हैं। हम ग्रीन टूरिज़्म को बढ़ावा दे रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, पर्यटन क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। ऐतिहासिक किलों और मनमोहक महलों से लेकर विशाल बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों तक, राज्य में एक पर्यटक को मिलने वाले अनुभवों की विविधता वास्तव में असाधारण है। मैं इस अवसर पर आप सभी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का हिस्सा बनने और राजस्थान की विशेषताओं का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती हूँ।

निवेशक रोड शो के दौरान राजस्थान सरकार ने एल्बट्रॉस प्रोजेक्ट्स, फ्लिक्सबस, पार्टेक्स एनवी, वेउली टेक्निक्स जी.एम.बी.एच. और इंगो श्मिट्ज़ सहित कई जर्मन फर्मों के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा जर्मनी और इंग्लैंड के दौरे पर गए इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल, राजस्थान के डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट्स (बीआईपी) के आयुक्त रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

नायब सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री रहेंगे

पंचकूला, 16 अक्टूबर। हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बुधवार (16 अक्टूबर) को पंचकूला में भाजपा विधायक दल की मीटिंग में उन्हें नेता चुना गया। मीटिंग में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी।

इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा-हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुई। युवा नायब सैनी के नेतृत्व में हमारी पार्टी तीसरी बार चुनाव जीती है। शाह के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ऑब्ज़र्वर के तौर पर मौजूद रहे।

- **अमित शाह ने सर्वसम्मति से नायब सैनी के विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की।**

इसके बाद नायब सैनी ने अमित शाह के साथ राजभवन जाकर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। साथ ही 3 निर्दलीय विधायकों द्वारा दिए गए समर्थन का पत्र सौंपा।

कल गुरुवार को 11 बजे पंचकूला के शालीमार ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह होगा।

इसमें पी.एम. नरेंद्र मोदी समेत भाजपा और एन.डी.ए के सहयोगी दलों के शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत 37 नेता मौजूद रहेंगे। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 48 सीटें जीती हैं, जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

हरियाणा में प्रचंड बहुमत पर शाह ने पूनिया को बंधाई दी

प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण समारोह के लिये 17 का पंचकुला आयेंगे

पंचकुला में हरियाणा भाजपा कार्यालय में पहुंचते ही गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया को हरियाणा में भाजपा के प्रचंड बहुमत के लिये बधाई दी।

पंचकूला/जयपुर, 16 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) में बहुत-बहुत बधाई दी, वहीं, सतीश पूनिया ने अमित शाह का आभार जताया और उन्हें हरियाणा जीत की बधाई दी।

अमित शाह के भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) आगमन पर भाजपा हरियाणा प्रभारी व भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने उनका स्वागत व अभिनंदन किया और हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने की बधाई दी।

- **भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा, यह प्रयास किये जायेंगे कि हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने।**

पूनिया ने पंचकुला में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, यह चुनाव हरियाणा और देश के लिए खास था। हरियाणा के लोगों ने भाजपा को अच्छा बहुमत एवं आशीर्वाद दिया। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि हरियाणा में अच्छा शासन हो, हरियाणा को अच्छी नीतियाँ दी जाएं और हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर को हरियाणा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पंचकुला पधारेंगे, जिनको सुनने-देखने भारी संख्या में हरियाणा के कार्यकर्ता व आमजन आएंगे। ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का सतीश पूनिया और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने दशहरा मैदान पहुंचकर जायजा लिया।

उमर अब्दुल्लाह के शपथ ग्रहण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि कांग्रेस इस सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है। नैशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबन्धन में किसी प्रकार की दरार से इनकार किया है।

शपथ-ग्रहण समारोह इंडिया ब्लॉक के संयुक्त चेहरे का साथी रहा। श्रीनगर में आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह में इंडिया ब्लॉक के अनेक नेता उपस्थित थे। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे तथा प्रियंका गांधी के अतिरिक्त, कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी शपथ-ग्रहण समारोह में मौजूद थे। इनके अतिरिक्त, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी नेता प्रकाश कारत तथा भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी नेता डी. राजा भी समारोह में शरीक हुए। सांसद कनीमोई करुणानिधि तथा सुप्रिया सुले भी समारोह में उपस्थित थे।

चूँकि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित, केवल 9 मन्त्री ही हो सकते हैं, इसलिए नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस को एक से अधिक कैबिनेट मन्त्री देना नहीं चाहा।

हाल ही में चुनावों में, कांग्रेस बहुत बुरा प्रदर्शन करते हुए, 90-सदस्यीय विधान सभा में केवल 6 सीटें ही जीती थीं, जबकि 2014 के विधानसभा चुनावों में उसके पास 12 सीटें थीं। कांग्रेस को सन्तुष्ट करने के लिए, एन.सी. ने जम्मू-कश्मीर की 4 खाली राज्यसभा सीटों में से एक सीट कांग्रेस को प्रस्तावित की है।

जब उमर ने गठबन्धन की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, "एन.सी. - कांग्रेस गठबन्धन के अन्दर आखिर कोई भी मुद्दा क्यों होगा? अगर कोई मुद्दा होता, तो खड़गे, राहुल तथा कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता समारोह में यहाँ नहीं आते।"

उमर ने दृढ़तापूर्वक कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी गठबन्धन की ताकत को प्रदर्शित करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "हम(मिलकर) जनता के लिए काम करेंगे।"

न्याय की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि अब कानून अंधा नहीं है।

दरअसल, यह सब कवायद सी.जे.आई. डी.वाय. चंद्रचूड़ ने की है। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। ऐसी ही स्टैच्यू सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है।

अचानक क्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती हैं। एयरलाइन्स जिन विमानों को इस्तेमाल करती है उनका जल्दी ही दूसरा फेरा करती हैं अर्थात विमान डेस्टिनेशन पर पहुंचने के साथ ही वापसी के लिए भी तैयार हो जाता है। अगर बम की धमकी और संदेह के आधार पर इन्हें रोका जाएगा तो इनकी सेवाएं बाधित होगी।

बार-बार ऐसी कॉल्स आना इस व्यवसाय के लिए शुभ नहीं है ऐसा लगता है यह भारतीय एविएशन सैक्टर की सेवाओं को बाधित कर सकता है जो कि तेजी से बढ़ रहा है।

एयरलाइन्स नए विमान खरीद रही है ताकि तेजी से बढ़ती घरेलू मांग को पूरा कर सकें। भारत से विदेश जाने वाली उड़ानों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है। सुरक्षा के मुद्दे पर भारतीय एयरलाइन्स की साख खराब करने से इनकी विस्तार की योजनाओं में अडंगा लग सकता है।

मैसूर अरबन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टेशन पर हमला करने वाले तथा दंगे शुरू करने वाले ए.आई.एम.आई.एम. समर्थकों के विरुद्ध चल रहे मुकदमे वापस लिए जाने के बाद "तुष्टीकरण की राजनीति" का आरोप लगाते हुए सरकार के विरुद्ध अभियान तेज कर दिया है।

भाजपा इस बात पर जोर दे रही है कि इस तरह के नृशंस अपराधिक मुकदमे जो यू.पी.ए. के तहत दर्ज हैं, वापस लेना असंवैधानिक है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि गरीबों के लिए काम करने वालों के केस ही वापस लिए गए हैं।

कांग्रेस तो आरोप लगा रही है कि भाजपा ने साम्प्रदायिक हिंसा से संबंधित वो केस वापस लिए थे, जिनमें कथित रूप से संघ परिवार से संबद्ध लोग शामिल थे।

भाजपा नेता, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने की योजना बना रहे हैं, कर्नाटक के भ्रष्ट व हिन्दू विरोधी मुख्यमन्त्री को हटाने की मांग करने के लिए।

कैनडा ने भारत पर प्रतिबंध...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जवाबी कार्यवाही करेगा। भारत भी कैनडा पर व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है। इससे न केवल तनाव बढ़ेगा बल्कि द्विपक्षीय व्यापार को भारी नुकसान पहुंचेगा। इससे भारत में रह रहे कैनडियन नागरिकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, इससे यहां उनके लिए संभावनाए कम हो सकती है। उनके घूमने-फिरने पर रोक भी लग सकती है। कैनडा की इस तरह की कार्यवाही से भारत विकल्प के रुप में अन्य देशों से मजबूत संबंध बना सकता है। खासकर साउथ एशिया के देशों के साथ रिश्ते बेहतर कर सकता है। इससे कैनडा उन क्षेत्रों में पूरी तरह अकेला पड़ जाएगा, जहाँ भारत की अहम भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि कैनडा को भारत पर सीमित बढ़त ही प्राप्त है क्योंकि भारत के फौरैन डायरैक्ट इनवैस्टमैंट में कैनडा की भागीदारी मात्र 0.57 प्रतिशत ही है। इसके अलावा हाल ही में कैनडा का आर्थिक प्रदर्शन भी कमज़ोर रहा है। वर्ष 2022 की चौथी तिमाही और 2023 की तीसरी तिमाही में कैनडा की ग्रोथ कम हुई थी। इस संदर्भ में कैनडा भारत पर मजबूत प्रतिबंध नहीं लगा सकता है, अगर ऐसा किया तो कैनडा को ज्यादा नुकसान होगा, क्योंकि यह अपने ऊर्जा बाज़ार को विविधता प्रदान करना चाहता है इसके लिये ट्रेडिंग पार्टनर के रूप में कैनडा को भारत की जरूरत होगी।

प्रतिबंधों से एग्रीकल्चर के क्षेत्र में कैनडा को ऑस्ट्रेलिया से मात भी मिल सकती है। अगर भारत को कैनडियन उत्पादों को छोड़ना पड़ा तो दूसरे देशों के उत्पादों के विकल्प है। चूंकि, प्रतिबंधों की संभावना देता कैनडा को आर्थिक, कूटनीतिक व रणनीतिक स्तर पर भारी कीमत चुकानी होगी।। वर्तमान में कैनडा की जो आर्थिक स्थिति है उसे देखते हुए यह किसी भी देश द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने को बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

बम की धमकी:...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं।

केन्द्रीय कर्मचारियों का तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा

दीपावली से पहले केन्द्र सरकार की घोषणा से केन्द्रीय कर्मचारियों को राहत मिलेगी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने दीपावली से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है। तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी से अब कुल महंगाई भत्ता 50 से बढ़ कर 53 प्रतिशत हो जाएगा। दीपावली से कुछ हफ़्ते पहले आज सुबह कैबिनेट की बैठक में यह फ़ैसला लिया गया। त्योहारी सीज़न के बीच केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यह बड़ी राहत है। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के लिए मुआवज़ा दिया जाता है।

- **एक आकलन के अनुसार, एन्ट्री लैवल सरकारी कर्मचारी के मूल वेतन में मासिक आधार पर 540 रूपये की बढ़ोतरी की संभावना है।**

बुधवार को हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल बैठक के दौरान महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को अपनी मंजूरी दे दी है। इस बढ़ोतरी के बाद डी.ए. मूल वेतन का 50 प्रतिशत से बढ़ कर 53 प्रतिशत हो गया है। संशोधित डी.ए 1 जुलाई 2024 से प्रभावी होगा।

मदार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ गई है।

उल्लेखनीय है कि, दो दिन पहले, 14 अक्टूबर को उदयपुर के आबादी इलाके से 7 किमी दूर बडी गांव में जब एक बाड़े में घुस कर पैंथर ने बछड़े को मारा तब एक महिला ने उसे शिकार करते हुए देख शोर मचाया, तो पेंथर भाग निकला। अब संभावना जताई जा रही है बडी गांव और बडगांव में मवेशियों पर हमला करने वाला पैंथर एक ही है।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पीड़ित पक्ष ने आरोपों को दोहराया। अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

बकाया गुजारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गलौच की। पति आए दिन उससे मारपीट करता और पीहर से रुपए लेकर आने के लिए दबाव डाला। उसने जब पति व ससुराल वालों का विरोध किया तो उसे मारपीट कर घर बाहर निकाल दिया, लेकिन घरवालों ने समझाकर उसे वापस ससुराल भेज दिया। फिर, 18 मई 2018 को, कार की मांग पूरी नहीं करने पर मारपीट कर उसे वापस निकाल दिया। प्रार्थिया ने पति से गुजारा भत्ता दिलवाए जाने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दायर कर कहा कि वह 60-70 हजार रुपए हर महीने कमाता है। इसलिए उसे भी दैनिक खर्च के लिए 20 हजार रुपए गुजारा भत्ता दिलवाया जाए। कोर्ट ने इस मामले में 10 जनवरी 2021 को आदेश जारी कर प्रार्थिया को हर महीने 8000 रुपए गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिए, लेकिन पति ने आदेश का पालन नहीं किया।

नेताओं की सुरक्षा एन.एस.जी. की जगह सी.आर.पी.एफ. के जवान करेंगे

संसद की सुरक्षा में लगे सी.आर.पी.एफ. जवानों को विशेष ट्रेनिंग के बाद वी.आई.पी. सुरक्षा में लगायेंगे

- **देश में इस समय राजनाथ सिंह, योगी आदित्यनाथ, अडवाणी, मायावती, सोनोवाल, रमन सिंह, गुलाम नबी आजाद, फारुख अब्दुल्ला और चन्द्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एन.एस.जी. के कमांडो लगे हुए हैं।**

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने बुधवार को नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एन.एस.जी.) को वी.आई.पी. सिक्योरिटी से हटाने का फैसला लिया है। इनकी जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) के जवान लेंगे। अगले महीने से आदेश लागू हो जाएगा।

पार्लियामेंट की सिक्योरिटी में लगे रिटायर्ड सी.आर.पी.एफ. जवानों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें वी.आई.पी. सिक्योरिटी विंग में भेजा गया है। इसके लिए नई बटालियन बनाई गई है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद ये जवान वी.आई.पी. सुरक्षा में तैनात होंगे।

सी.आर.पी.एफ. के पास पहले से 6 वीआईपी सिक्योरिटी बटालियन मौजूद हैं। नई बटालियन के साथ ये कुल सात बटालियनें हो जाएंगी।

देश में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 9 नेता ऐसे हैं, जिनकी सिक्योरिटी एन.एस.जी. के ब्लैक कैट कमांडो करते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में एन.एस.जी. कमांडो तैनात हैं। अब इनके पास से ये कमांडो हट जाएंगे। सी.आर.पी.एफ. सिक्योरिटी विंग कमान संभालेगी। एन.एस.जी. सिक्योरिटी वाले 9 नेताओं में से राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ के पास एडवांस्ड सिक्योरिटी लाइसन (ए.एस.एल.) प्रोटोकॉल है, जिसे अगले महीने से सी.आर.पी.एफ. टेकओवर कर लेगा।

सी.आर.पी.एफ. अभी तक ए.एस.एल. का काम गृहमंत्री अमित शाह, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, चीफ मोहन भागवत और गांधी परिवार के तीनों सदस्यों के लिए करती थी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू कैनडा को भारत विरोधी जानकारी देता था

- **कैनडा चैनल को इन्टरव्यू में पन्नू ने स्वीकारा कि 3 साल से ट्रूडो से सम्पर्क में था।**

कनाडा, 16 अक्टूबर। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कैनडा न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कई खुलासे किए। उसने कहा कि कैनडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन "सिख फॉर जस्टिस" पिछले 2 से 3 सालों से कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कैनडा दोनों देशों की नागरिकता है।भारत से विवाद के बीच कैनडा की पार्टी के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह ने भारतीय अधिकारियों पर प्रतिबंध की मांग की है। जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनियकों पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। जगमीत की पार्टी पिछले महीने तक कैनडा की सरकार में शामिल थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले को गुरुग्राम से पकड़ा

आरोपी ने बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी की थी

जयपुर/निवाई। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर फर्जी जॉइनिंग लेटर थमा लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिर ठग दीपक कुमार मीणा पुत्र लल्लू राम (34) निवासी गढवास कोहरा मलावली थाना लक्ष्मणगढ़ (जिला अलवर) को गुरुग्राम से डिटेन कर लिया, जिसे बाद में अग्रिम कार्रवाई के लिए टोंक जिले की बरौनी पुलिस को सौंपा गया। आरोपी पर टोंक एसपी द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित है।

अतिरिक्त महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टर हार्डकोर बदमाशों एवं लंबे समय से फरार चल रहे इनामी अपराधियों की धरपकड़ एवं आसूचना संकलन के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एजीटीएफ की टीमों को प्रदेश के अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। इसी क्रम में पुलिस उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा 25 हजार के इनामी दीपक मीणा को गुरुग्राम से डिटेन किया गया।

साल 2021 में परिवादी देवी शंकर कीर और विजय सिंह कीर निवासी मुख्तयार नगर थाना बरौनी टोंक ने एक रिपोर्ट थाना बरौनी पर दर्ज कराई कि दीपक कुमार मीणा, मनराज कीर व हंसराज कीर ने एफसीआई एवं भारतीय डाक विभाग में भर्ती कराने के नाम पर फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर 10 लाख 70 हजार रुपये अपने खाते में जमा करवा ठगी की है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर बरौनी पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी मनराज व हंसराज निवासी मुख्त्यार नगर को गिरफ्तार कर लिया था। मुल्जिम दीपक मीणा प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही फरार हो गया। प्रकरण दर्ज होने के बाद ही मुख्य अभियुक्त दीपक मीणा अपने निवास स्थान से फरार हो गया। फरारी के दौरान भी बेरोजगार युवकों से अपनी टीम के माध्यम से ठगी का कार्य कर रहा था। मुल्जिम दीपक बहुत ही शातिर किस्म का है। वह ना तो अपने पास मोबाइल रखता है और ना ही किसी सोशल मीडिया का प्रयोग करता है। आरोपी अपने साथी सदस्य के मोबाइल से ही सोशल मीडिया एप काम में लेता है। किसी भी टीम मेंबर को अपने साथ 10 से 15 दिन से ज्यादा नहीं रखता है। गांव से भागने के बाद मुल्जिम दीपक गुड़गांव, दिल्ली, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में टीम के सदस्यों के साथ रहने लगा।

दीपक मीणा शातिर किस्म का बदमाश है, मुल्जिम पिछले दो साल से अपने गांव भी नहीं आ रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी टोंक द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया। एजीटीएफ टीम द्वारा इसकी गुड़गांव, दिल्ली, कानपुर व पटना में तलाश की गई। तलाश के दौरान एजीटीएफ टीम के हैड कांस्टेबल कमल डागर और हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक मीणा आज पालम विहार गुरुग्राम में किसी से मिलने आ रहा है। सूचना पर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर टीम के सदस्य कमल डागर, सुरेश कुमार व चालक श्रवण कुमार गुरुग्राम पहुंचे, जहां पर दीपक मीणा अपने टीम के किसी सदस्य से मिलने आया हुआ था, जिसे डिटेन किया जाकर पुलिस थाना बरौनी को सुपुर्द किया गया।

बेरोजगार लोगों से ठगी करने के लिए इस गिरोह ने विभिन्न शहरों में नेटवर्क फैला रखा है। गिरोह के सदस्य जयपुर, दिल्ली, गुड़गांव, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में रहकर वहां पर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बेरोजगार व कमजोर वर्ग के छात्रों को बहला फुसलाकर कर सरकारी जॉब दिलाने के बहाने से राजी कर रुपये प्राप्त कर उन्हें फर्जी जॉइनिंग लेटर देते हैं। नौकरी ज्वाइन करने संबंधित विभाग के पास पहुंचने पर पीड़ित को ठगी का एहसास होता है। बरोनी थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि आरोपी तीन साल से फरार था तथा पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा था। थानाधिकारी ने बताया कि अरोपी के दो साथी पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके है। पुलिस ने आरोपी मीणा को गुरूग्राम हरियाणा से गिरफ्तार किया है।

बरोनी पुलिस थाने में गिरफ्तार ठगी का आरोपी दीपक कुमार मीणा।

- आरोपी ने फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर दो जनों से 10.70 लाख की ठगी की थी

भाबरु थाना पुलिस को लूट की झूठी सूचना देना महंगा पड़ा

पुलिस ने पिकअप चालक व उसके साथी को नकदी सहित गिरफ्तार किया

लूट की झूठी सूचना देने के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। लूट की झूठी सूचना देना एक पिकअप चालक को महंगा पड़ गया। भाबरु थाना पुलिस ने चालक को गिरफ्तार करते हुए 10 लाख 52 हजार रुपये उसके पास से बरामद कर लिये।

जानकारी देते हुए कोटपूतली-बहरोड जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि भाबरु थाना पुलिस को फोन के जरिए सूचना मिली कि एक पिकअप गाड़ी चतरपुरा श्याम मंदिर के पास लावारिश हालात में खड़ी है। जिसका ड्राइवर साइड का शीशा टूटा हुआ है। जिस पर भाबरु थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी को सुरक्षार्थ भाबरु थाना परिसर में खड़ा करवाया।

- पिकअप चालक के कब्जे से 10.52 लाख रुपये बरामद किये

इसके बाद जानकारी जुटाने पर पिकअप चालक नेमीचंद व उसके साथी कानाराम ने अपने साथ अज्ञात बदमाशों द्वारा गाडी आडी लगाकर 10 लाख 52 हजार रुपये की धनराशि व मोबाइल लूट कर ले जाना बताया।

उसके बाद पिकअप गाड़ी मालिक विजय सैनी ने अपने पिकअप चालक व उसके साथी के खिलाफ लूट की झूठी घटना की सूचना देकर धनराशि हडपने का मामला पंजीबद्ध करवाया, जिस पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली नेम सिंह के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला के सुपरविजन में भाबरु थाना प्रभारी रविंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस द्वारा गहनता से अनुसंधान करते हुए मुल्जिम पिकअप चालक नेमीचंद पुत्र लच्छुराम निवासी सेपटपुरा व कानाराम पुत्र बाबूलाल निवासी बरवाड़ा को गिरफ्तार कर मालिक के हड़प की गई राशि बरामद कर मुल्जिमों को न्यायालय मे पेश कर सब जेल कोटपुतली भिजवाया गया।

हादसों में दो जनों की मौत

निवाई, (निसं)। बरोनी थानान्तर्गत गांव कीरों की ढाणी चिरोंज के पास एक कार चालक ने एक बाइक के टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार घायल हो गया। बरोनी थानाधिकारी मानवेन्द्रसिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब सात बजे सूरजमल वर्मा पुत्र गजानद वर्मा निवासी चिरोंज अपने खेत से कार्य करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर आ रहा था। इसी दौरान कीरों की ढाणी के पास पीछे से आ रही कार के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर उसकी बाइक के टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। घायल को 108 एंबुलेंस से सआदत अस्पताल टोंक में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। वहीं बरोनी थाना क्षेत्र के सिरस रेलवे स्टेशन और नला गांव के बीच स्थित पोल संख्या 52/17 के सामने ट्रेन आगे आकर युवक धनराज बैरवा पुत्र मनोहर लाल बैरवा निवासी थाना बरोनी ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अनुसंधान में पर्याप्त साक्ष्य एकत्रित नहीं, छेड़छाड़ का आरोपी दोषमुक्त

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के विशिष्ट न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने बुधवार को एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोपी को अनुसंधान अधिकारी द्वारा पर्याप्त साक्ष्य एकत्रित नहीं करने से दोष मुक्ति किया गया। वहीं न्यायाधीश ने एक पीड़िता को अनुसंधान अधिकारी अजीतपालसिंह की लापरवाही के चलते न्याय नही मिलने से आईजी जयपुर को निर्देशित किया कि अनुसंधान अधिकारी को साईबर अपराध की जानकारी दी जाये।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता की माता ने 2 मई 2024 को रामसीन पुलिस थाना में रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी पुत्री की इंस्टाग्राम आईडी पर बार बार मैसेज आने पर उसकी पुत्री ने उसे लड़की समझकर मित्रता कर इंस्टाग्राम पर मैसेज के जरिये बाते करने लगी। करीब तीन माह पूर्व उसकी पुत्री किराणा का सामान लेने गई हुई थी उस दौरान तीन व्यक्ति मुँह पर नकाब पहनकर तीन मोटरसाइकिल लेकर आये तथा उसकी पुत्री को कोई सुंधाकर अपहरण कर सुनसान जगह लेकर गये। वहां उसे डरा-धमका कर उसके अश्लील व आपत्तिजनक विडियो बनाये। इसके बाद अश्लील विडियो वायरल इंस्टाग्राम व यूट्यूब पर वायरल करने की धमकियां देकर छेड़छाड़ करने लगे। अभियुक्त ने उसकी लड़की के अश्लील वीडियो अन्य लोगों की आईडी पर वायरल कर उसे बदनाम कर दिया। वहीं अभियुक्त और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा है। साथ ही अश्लील फोटो व वीडियो डिलीट करने के एवज में पच्चीस हजार रूपये भी मांग रहा हैं। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बाद अनुसंधान आरोप न्यायालय में प्रस्तुत किया।

पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने अनुसंधान अधिकारी अजितपालसिंह द्वारा इंस्टाग्राम आईडी के बारे में अनुसंधान नहीं करने से अश्लील वीडियो की बात अभियोजन पक्ष न्यायालय के समक्ष नहीं रख सका। जिसका लाभ अभियुक्त को मिलने पर अभियुक्त को दोषमुक्ति किया गया। वहीं अनुसंधान अधिकारी द्वारा सही अनुसंधान नहीं कर पर्याप्त साक्ष्य पत्रावली में नहीं रखने से अभियुक्त को लाभ मिला। इसके लिए न्यायाधीष ने पुलिस महानिदेशक जयपुर को निर्णय की प्रति इस निर्देश के साथ भेजी कि अनुसंधान अधिकारी अजितपालसिंह को साईबर अपराधों से संबंधित प्रकरणों के अनुसंधान के लिए राजस्थान पुलिस एकेडमी या अन्य किसी संस्थान में भिजवाया जाये। ताकि वह यह समझ पाये कि साईबर अपराधों के संबंध में किस प्रकार से प्रभावी अनुसंधान किया जाता है।

- न्यायाधीश ने अनुसंधान अधिकारी को साईबर जानकारी कराने को लेकर आईजी को निर्देश दिये

लेपर्ड ने छह जनों को घायल किया

टोंक, (निसं)। एक खूंखार लेपर्ड (बघेरा) का कहर देखने को मिला। इस दौरान एक लेपर्ड ने खेत में काम कर रहे लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। मंगलवार शाम खेत में काम कर रही युवती पर लेपर्ड (बघेरा) ने हमला कर दिया, इस बीच आसपास काम कर रहे लोग उसे बचाने दौड़े, तो लेपर्ड ने उन पर भी हमला कर दिया। फिलहाल दो घायलों को टोंक जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सनसनी फैला देने वाला यह मामला जिले के देवली उपखंड के चांदसिंहपुरा पंचायत के ठिकरिया कला गांव का है।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)

क्रमांक :- विद्युत/2024-25/81 दिनांक :- 15/10/2024

निविदा सूचना विद्युत/2024-25/04 NIB Code : DLB2425A3381

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से आपूर्तिकर्त्ता फर्म व नगर परिषद् जैसलमेर में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से विभिन्न आपूर्ति कार्यो हेतु ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

उक्त कार्य के UBN No. DLB2425A3381

आयुक्त
नगर परिषद जैसलमेर

राज.संवाद/सी/24/6623

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, चंवली परियोजना नहर खण्ड झालावाड

क्रमांक-/निविदा2024-25/लेखा प्रथम/1637-52 दिनांक-10.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 02 वर्ष 2024-25

इस कार्यालय में राजस्थान के राज्यपाल की ओर से बांध एवं नहर के मरम्मत कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निवदा से संबंधित समस्त विवरण वैब साईट www.dipronlne.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।

1. WRD2425WSOB00842, 2. WRD2425WSOB00843, 3. WRD2425WSOB00844, 4. WRD2425WSOB00845, 5. WRD2425WSOB00846, 6. WRD2425WSOB00847, 7. WRD2425WSOB00848

(वीरेन्द्र सिंह)
चंवली परियोजना नहर खण्ड
झालावाड़ (राज.)

DIPR/C/9905/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV.I JAISALMER

No. EE/JSM-I/24-25/1278 Date: 10.10.2024

NOTICE INVITING BID
Short Term NIT No. 10 Year 2024-25

Bids for Various Building Mtc and Construction work are invited from interested bidders 14.10.2024 to 21.10.2024 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, htpp://sppp.raj.nic.in) of the state, and https://pwd.rajasthan.gov.in. The approcimate value of the procurement is Rs 158.28 Lacs

NIB No. - PWD2425A2094
UBN No- 1. PWD2425WSOB07695, 2. PWD2425WSOB 07697,
3. PWD2425WSOB 07700, 4. PWD2425WSOB 07702
5. PWD2425WSOB 07705, 6. PWD2425WSOB 07707
7. PWD2425WSOB 07710

(Bhakar Ram)
Executive Engineer
PWD Div.I Jaisalmer

DIPR/C/9888/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला खण्ड जैसलमेर

क्रमांक/अधि.अभि./निविदा/जैसल/2024-25/1522-32 दिनांक- 09.10.2024

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 6/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वा. अभि. विभाग राजस्थान के अन्तर्गत इस खण्ड के अधीन विभिन्न सिविल एवं अन्य कार्यो हेतु अनुमानित लागत रु. 29.77 लाख के कुल 1 कार्य हेतु राजस्थान सरकार के अधीन पंजीकरण नियमों के तहत उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 22.10.2024 सायं 06.00 बजे तक डॉउनलोड की जाकर दिनांक 23.10.2024 को सायं 1.00 बजे बिड शुल्क, ई-प्रक्रिया शूल्क, धरोहर राशि का चालान भौतिक रूप से इस कार्यालय में जमा कर उसी दिनांक 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाइट WWW.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा संख्या 6/2024-25 का विभागीय वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in से प्राप्त NIB NO-PHE2425A2431 निम्न प्रकार से है UBN NO. PHE2425WSOB05291

(प्रेम राम) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
जिला खण्ड-जैसलमेर

DIPR/C/9872/2024

500 किलो संदिग्ध मावा जप्त किया

भीलवाड़ा, (निसं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत भीलवाड़ा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए 500 किलो संदिग्ध मावा जब्त किया है।

- मावे का सैंपल लेते हुए जांच के लिए अजमेर भिजवाया

सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि खाद्य निरीक्षक टीम द्वारा शहर में स्थित रामा स्वीट्स पर आकस्मिक जांच की गई जिसमें मौके पर बड़ी मात्रा में संदिग्ध मावा मिला। मावे का सैंपल लेते हुए जांच के लिए अजमेर भिजवाया गया हैं वहीं टीम ने मावा जब्त कर अठिाम कार्यवाही को अंजाम दिया। शहर के दीपावली पर्व को लेकर नकली और मिलावटी मावे की खपत बढ़ने की शिकायतें लगातार सामने आने के बाद स्वास्थ विभाग ने अभियान की शुरुआत की है। 500 किलो मावा जप्ती की कार्यवाही के बाद मिलावटखोर मिठाई व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

भीलवाड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संदिग्ध मावा जप्त किया।

कोचिंग के वॉशरूम में सफाईकर्मी ने कैमरा लगाया

कोटा, (निसं)। शहर के कैथूनीपोल थाना इलाके के एक कोचिंग संस्थान के टॉयलेट में छिपाकर मोबाइल कैमरे से लड़कियों के वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने कई गर्ल्स के वीडियो भी इस दौरान रिकॉर्ड कर लिए। मंगलवार को इस मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद कोचिंग संस्थान ने पुलिस को सूचना दी।

कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि आरोपी कोचिंग संस्थान में सफाईकर्मी है। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उसके मोबाइल में कुछ वीडियो भी मिले हैं। पुलिस उप अधीक्षक तृतीय राजेश कुमार टेलर का कहना है कि आरोपी से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। आरोपी मोबाइल को कब से वॉशरूम में जाकर रख रहा था यह भी जांच का विषय है। प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया है कि वह दो-तीन दिन से मोबाइल वॉशरूम में रख रहा था।

इस संबंध में फॉरेंसिक जांच करवाई जाएगी जिससे साफ होगा कि मोबाइल में रिकॉर्डिंग कब से की जा रही थी। कोई वीडियो वायरल हुआ है या नहीं। इस पर डीएसपी टेलर का कहना है कि फिलहाल ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। उसके मोबाइल में कुछ वीडियो जरुर मिले हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जांच कमेटी ने रिश्वतकांड मामले में डॉ. महेश बैरवा को राहत देने की कोशिश की

शिकायतकर्ता का आरोप है कि विभाग ने दोनों घूसखोर डॉक्टरों को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में गत दिनों डॉक्टर महेश बैरवा और डॉक्टर दिनेश बैरवा के द्वारा चलाए जा रहे इलाज के नाम पर अवैध वसूली और रिश्वतखोरी के रैकेट का खुलासा होने के बाद चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया।

शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी का आरोप है कि विभाग ने दोनों घूसखोर डॉक्टरों को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए और इसी का नतीजा है कि जांच कमेटी में शामिल डॉ. दिनेश बैरवा, डॉ. वीरेंद्र शर्मा और अन्य डॉक्टरों की टीम ने रिश्वत कांड को अंजाम देने वाले मुख्य डॉक्टर महेश बैरवा को मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए सही ठहराते हुए राहत देने की कोशिश की है। हालांकि पीड़ित शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी ने जांच कमेटी की रिपोर्ट पर सवाल खड़े किए थे, उसके बावजूद मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल ने कमेटी की रिपोर्ट को सही मानते हुए अपने डॉक्टर महेश बैरवा को बचाने के लिए सही गलत का फर्क किए बिना ही सारे आरोपों को झुठला दिया।

जानकारी के अनुसार गत दिनों मांडलगढ़ निवासी शिकायतकर्ता यश कुमार सिंधी ने अपने पिता मुरलीधर सिंधी के पैर के ऑपरेशन के नाम पर 28 हजार रुपए की मांग करने की शिकायत डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ दर्ज करवाई थी। शिकायत दर्ज करने के बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर वर्षा सिंह ने डॉक्टर दिनेश बैरवा, डॉक्टर वीरेंद्र शर्मा और एक अन्य डॉक्टर को शामिल कर तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन किया।

डॉक्टर महेश बैरवा।

टीम में शामिल सदस्य द्वारा ही पीड़ित को धमकाए जाने की शिकायत भी सामने आई, लेकिन विभाग ने जांच के नाम पर लीपापोती करने की नीयत से धमकी देने वाली कमेटी की जांच को ही सही मान लिया और पीड़ित के पक्ष को सुनना भी जरूरी नहीं समझा। पीड़ित ने लिखित बयानों में न सिर्फ डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए बल्कि टीम में शामिल डॉक्टर दिनेश बैरवा पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन विभाग ने आरोपों को दरकिनार करते हुए अपने डॉक्टर बैरवा ब्रदर्स को बचाने के लिए मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए जांच के नाम पर लीपापोती कर ली।

अब इस मामले में एक और जहां पीड़ित यश कुमार सिंधी ने तथ्यों और सबूतों के आधार पर कानूनी प्रक्रिया अपनाने की शुरुआत कर दी है तो वहीं दूसरी ओर एक और अन्य पीड़ित आफताब मुल्तानी ने लिखित में कलेक्टर नमित मेहता, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज डॉ. वर्षा सिंह और पीएमओ एमजी हॉस्पिटल डॉ. अरुण गौड़ को डॉक्टर महेश बैरवा के खिलाफ शिकायत देकर विभाग की नींद उड़ा दी है। जिस घूसखोर डॉक्टर को बचाने के लिए विभाग जोर लगा रहा था, उसके खिलाफ लगातार मामले सामने आ रहे हैं, लगातार घूसखोर डॉक्टर बैरवा के खिलाफ शिकायतें आने के बावजूद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के नाम का बेजा इस्तेमाल करने वाले डॉ. बैरवा ब्रदर्स के खिलाफ कार्यवाही करने से करता रहा विभाग उल्टा उन्हें बचाने में जुटा हुआ है। अब मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल वर्षा सिंह आफताब की शिकायत पर दोबारा जांच कमेटी का गठन करने की बात कर रही है।

- आरोप है कि डॉक्टर महेश बैरवा को मेडिकल परिस्थितियों का हवाला देते हुए सही ठहराते हुए राहत देने की कोशिश की
- मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल ने कमेटी की रिपोर्ट को सही मानते हुए डॉक्टर महेश बैरवा को बचाने के लिए सारे आरोपों को झुठला दिया

UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR
DEPARTMENT OF PHYSICS

TENDER NOTICE

Offline Technical and Financial Bids are invited up to 22nd October 2024 at 3:00 pm for the provision of food and beverages for the International Conference ICMTP-2024 to be held from 21st November to 23rd November 2024 in the Department of Physics, University of Rajasthan, Jaipur, under the RUSA 2.0 project 6.0. The details of the tender can be viewed and downloaded in the Bidding Document available at our office or on the website: http://sppp.rajasthan.gov.in and www.uniraj.ac.in.

NIB No.: URA2425A0042, UBN No.: URA2425SSOB00125

Dr. Sarita Kumari
Convener ICMTP-2024

Prof. Mangej Singh
Chairperson ICMTP-2024

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष सं. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org

क्रमांक : एस.के./2024-25/2003 दिनांक :- 01.10.2024

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई-10/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा व्हील बेरोज सप्लाई कार्य सप्लाई कार्य की वार्षिक दर संविदा हेतु कुल राशि रु0 22.67 लाख के कार्य हेतु MSME में पंजीकृत निविदाकारो से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 09.10.24 एवं अंतिम तिथि 21.10.24 तथा निविदा खुलने की तिथी 22.10.24 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

UBN No. UNP2425GLOB00119

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/24/6522

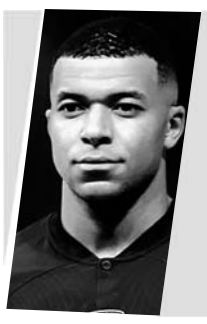

ये आरोप बिल्कुल झूठे और गैर जिम्मेदाराना है। मैं अपनी प्रतिष्ठा और सम्मान पर किसी तरह की आंच आना बर्दाश्त नहीं करूंगा।
-काइलियान एमबाप्पे

फ्रांस के फुटबॉल स्टार, बलात्कार के मामले की जांच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

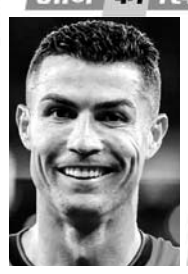

क्रिस्टियानो रोनाल्डो

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो गोल नहीं कर सके और पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्कॉटलैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला। पुर्तगाल ने क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड से पहले तीन मैच जीते थे लेकिन ग्लासगो में तीसरे मैच में गोल करने में नाकाम रही। अब तक 133 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके रोनाल्डो के पास कई मौके आये लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। पुर्तगाल इस ड्रॉ के बावजूद ग्रुप एवन में शीर्ष पर है जबकि क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है। वहीं स्पेन ने सर्बिया को 3.0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। क्रोएशिया ने पोलैंड से 3.3 से ड्रॉ खेला।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, बेंगलुरु में टॉस तक भी नहीं हो सका

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार 16 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो गया है। लेकिन बारिश के कारण बेंगलुरु के एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले टेस्ट का पहला दिन बाधित हो गया। यहां टॉस तक भी नहीं हो पाया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र का हिस्सा है।मौसम विभाग ने पूरे दिन बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ी खुद को एक्टिव रहने के लिए इनडोर नेट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ी विराट कोहली यशस्वी जायसवाल मैदान पर नजर आए थे। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक वह अपने किट के साथ इंडोर नेट्स में गए और कुछ समय बिताया। लंच के बाद भी बारिश होने के कारण पहले दिन का खेल रद्द करनापड़ा। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान दूसरे टेस्ट मैच में भी बारिश के कारण मैच तय नहीं हो सका। हालांकि, पहले दिन टॉस हुआ था और कुछ ओवर का मैच हुआ था लेकिन फिर दो दिन तक बारिश की वजह से खेल नहीं हो सकता था। लेकिन अंतिम दो दिन में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया था।

अखिल श्योरण ने राईफल थ्री विश्वकप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। अखिल श्योरण ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में चल रही आईएसएसएफ विश्वकप फाइनल 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। 29 वर्षीय भारतीय निशानेबाज पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम का हिस्सा थे। नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 452.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अखिल श्योरण का पहला पदक था। हंगरी के इस्तवान पेनी (465.3) और चेकिया के जिरी प्रिवरात्स्की (464.2) ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक हासिल जीते। भारत के चैन सिंह क्वालीफाइंग राउंड में 590-32 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। वह अखिल श्योरण से दो स्थान आगे थे। अखिल ने 589-35 का स्कोर किया था। क्वालीफाइंग राउंड के शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर श्मिर्ल ने क्वालीफाइंग राउंड में कुल 593-37 के साथ बढ़त हासिल की लेकिन फाइनल में 419.2 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे। आईएसएसएफ विश्व कप में यह भारत का दूसरा पदक है।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के 239 पर छह विकेट गिराकर मैच पर बनाई पकड़

मुल्तान, 16 अक्टूबर। पाकिस्तान ने साजिद खान (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को इंग्लैंड के 239 रन पर छह विकेट गिराकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं।

पाकिस्तान के 366 के स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (114) के शानदार शतक की मदद से छह विकेट पर 239 बना लिए। इंग्लैंड अभी भी पाकिस्तान से 127 रन पीछे हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के पहले विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत की। 13वें ओवर में नौमन अली में जैक क्रॉली को रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। क्रॉली ने 27 रन बनाए। नये बल्लेबाज ऑली पोप को साजिद खान ने बोल्ड आउट कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 125 रन था। पोप ने 29 रन बनाए।

इसके बाद तीसरे विकेट के लिए बेन डकेट और जो रुट ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर को 211 रनों तक पहुंचाया जहां साजिद ने रुट (34) को बोल्ड कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर बोर्ड पर अभी 13 रन और जुडे ही थे कि डकेट (114) को साजिद ने सलमान के हाथों कैच आउट कराकर टीम को चौथी सफलता दिलाई।

इसी ओवर की आखिरी गेंद पर साजिद ने पहले टेस्ट में मुल्तान के नये सुल्तान बने हैरी ब्रूक (नौ) रन पर बोल्ड आउट कर इंग्लैंड को पांचवा झटका दे दिया। नौमन अली ने अगले ही ओवर में कप्तान बेन स्टोक्स को शफीक के हाथों कैच आउट करा इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। स्टोक्स (एक) रन बनाया। दिन का खेल समाप्ति के समय जेमी स्मिथ नाबाद (12) तथा ब्राइडन कार्स दो रन पर नाबाद रहे।

आईओए हमारे सुझावों पर ध्यान नहीं देता : मैरीकॉम

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष महान मुक्केबाज एमसी मैरीकोम ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सुझाव देना बंद कर दिया है क्योंकि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता। मैरीकोम उन 10 शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्हें नवंबर 2022 में आईओए खिलाड़ी आयोग में चुना गया था। आईओए में इस समय खींचतान चल रही है जिसमें पदाधिकारियों का एक वर्ग अध्यक्ष पीटी उषा के कामकाज के तरीके पर सवाल उठा रहा है। उषा ने हालांकि अपने खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया है।आईओए में चल रहे सत्ता संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर मैरीकोम ने पीटीआई से कहा, ''मैं आईओए के कामकाज में शामिल नहीं हूं। हमने आईओए के साथ कई बातें साझा की, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। वे मेरे सुझावों को नहीं सुनते। मैं राजनीति नहीं जानती और मैं किसी को दोष नहीं देना चाहती।'' भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक से पदक के बिना लौटे और मैरीकोम इस नतीजे से बेहद निराश थीं। 41 वर्षीय मैरीकोम ने अफसोस जताया कि ओलंपिक से पहले भारतीय मुक्केबाजी महासंघ में किसी ने उनकी मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं बता सकती कि क्या गलत हुआ क्योंकि उन्होंने मुझे आमंत्रित ही नहीं किया। वे मेरे अनुभव का इस्तेमाल कर सकते थे। मैं मुक्केबाजों को उनकी कमजोरियां और मजबूत पक्ष बता सकती हूं।'' लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता मैरीकोम को लगता है कि जब तक कोचिंग संरचना में सुधार नहीं किया जाता तब तक पदक नियमित रूप से नहीं आएंगे।

भारत के बिना चैम्पियंस ट्रॉफी के आयोजन का कोई विकल्प नहीं : ईसीबी

लंदन, 16 अक्टूबर। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी)के मुख्य कार्यकारी और अध्यक्ष रिचर्ड गोल्ड और रिचर्ड थॉम्पसन ने बुधवार को कहा कि भारत की भागीदारी के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं है।

थॉम्पसन ने कहा, भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में न खेलना क्रिकेट के हित में नहीं होगा। यह देखना दिलचस्प है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रमुख जय शाह का इसमें बड़ा रोल रहने वाला है। वहां जमीनी राजनीति है और फिर क्रिकेट संबंधी जमीनी राजनीति है। मुझे लगता है कि वे कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्हें कोई रास्ता ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, जब ये दोनों देश एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो दुनिया के इस हिस्से में हमेशा सुरक्षा संबंधी चिंताएं बनी रहती हैं। संभवत: यही महत्वपूर्ण निर्णयों को संचालित करेगा। लेकिन मुझे पता है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते इस समय उतने ही सौहार्दपूर्ण हैं। हमने इसे न्यूयॉर्क में पुरुष टी-20 विश्वकप में देखा था। गोल्ड और थॉम्पसन दुबई में आगामी आईसीसी बैठकों से पहले पाकिस्तान में हैं और इंग्लैंड के दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मुल्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। गोल्ड ने कहा कि राजस्व स्त्रोत के रूप में प्रसारण अधिकारों पर क्रिकेट की निर्भरता ने सुनिश्चित किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों इसमें शामिल होंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम में भारत का नाम लिया तो लग जाएगा बैन : हारिस

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। राजनीति और क्रिकेट मैदान पर भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं। भारत फैंस पाकिस्तान के खिलाफ हार बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं तो वहीं पाकिस्तान फैंस के लिए भारत के खिलाफ जीत दर्ज करना बहुत बड़ी बात हो जाती है। पाकिस्तान ए के कप्तान मोहम्मद हारिस ने बताया कि उनके टीम के ड्रेसिंग रूप में भारत का नाम लेना बैन है।एमर्जिंग एशिया कप में पाकिस्तान ए की कप्तान मोहम्मद हारिस के कंधों पर है। उनकी टीम 19 अक्टूबर को भारत का सामना करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान ने बताया कि उनके ड्रेसिंग रूप में इंडिया के बारे में बात करने पर बैन है।

43 साल बाद पर्थ में होगा ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 2025-26 एशेज सीरीज के शेड्यूल की घोषणा हो गई है। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर 2025 के बीच पर्थ में खेला जाएगा। 43 साल बाद पर्थ स्टेडियम में एशेज सीरीज का पहला मैच होगा। पर्थ में इंग्लैंड की टीम 1978 के बाद टेस्ट मैच नहीं जीती है। पर्थ स्टेडियम में वह एक भी मैच नहीं खेली है। ब्रिस्बेन के गाबा में 4-8 दिसंबर के बीच डे नाइट टेस्ट खेला जाएगा। एशेज में पहली बार पिंक बॉल टेस्ट होगा। क्रिसमस से पहले का टेस्ट मैच 17 से 21 दिसंबर के बीच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 से 30 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

दुबई, 16 अक्टूबर। भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। 100 से अधिक मैच खेलने वाली स्पिनर नीतू डेविड 2023 में डायना एडुल्जी के बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला हैं। उन्होंने 141 विकेट के साथ महिला एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप, समापन आज

जयपुर, 16 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधर नगर स्तिथ फुटबॉल मैदान पर राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में जारी राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 के सेकेंड फेस में गुरुवार को 2 मुकाबले खेले जाएंगे, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की सुबह के सत्र में आठ बजे अंडमान निकोबार का मुकाबला पांडिचेरी से तथा सांयकालीन सत्र में 3:30 बजे दिल्ली का मुकाबला महाराष्ट्र से होगा। महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टाक ने बताया की रविवार से शुरू हुए सेकंड फेस का समापन गुरुवार को सांयकालीन सत्र में होगा जिसमें मंजू शर्मा, सांसद जयपुर शहर, रामप्रसाद जी वरिष्ठ प्रचारक, आरएसएस, मानवेंद्र सिंह जसोल, अध्यक्ष राजस्थान फुटबॉल संघ एवं पूर्व सांसद, जे पी शर्मा और विट्ठल माहेश्वरी सहित गणमान्य लोग सम्मिलित होंगे। मैच का लाइव प्रसारण स्पोर्ट्स कास्ट पर हो रहा है तथा ग्राउंड पर दर्शकों के लिए मुफ्त व्यवस्था की गई है।

राव राजा हनुत सिंह कप : केरीसिल पोलो ने जयपुर टीम को हराया

जयपुर, 16 अक्टूबर। सितंबर पोलो सीज़नके अंतर्गत आरपीसी पोलो ग्राउंड पर राव राजा हणुत सिंह कप में आज कैरीसिल पोलो की ओर से कुलदीप सिंह राठौर ने 1, शमशीर अली ने 1, बाउटी अल्बर्टी ने 2 गोल अपनी टीम के लिए किये वहीं जयपुर के लिए आर्यन ने 1, हुर्र अली ने 4, वाटसन ने 1 ओर महाराज पदमनाभ सिंह 2 गोल किये। आज के मैच के अम्पायर: मार्टिन एच. स्कॉर्टिचिनी एवं अंगद कलान, रेफरी जेरार्डो माज़िनी।

रैंकिंग में जो रूट की स्पेशल-20 क्लब में एंट्री

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। आईसीसी ने खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अब आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के एक स्पेशल 20 क्लब में एंट्री की है। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली पहले से ही लिस्ट में विराजमान हैं।

दरअसल, रूट ने क्रिकेट इतिहास में 20 पुरुष बैटर्स द्वारा हासिल की गई करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग हैं। कोहली 15वें नंबर पर हैं। वह 937 रेटिंग अंकों तक पहुंच चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन 961 रेटिंग अंकों

के साथ टॉप पर हैं।आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग की बात करें तो जो रूट टॉप पर हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा था। उन्होंने मुल्तान में 375 गेंदों में 17 चौके जड़े और 262 रन की पारी खेली। ये रूट के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। रूट ने दोहरा शतक जमाने के बाद रेटिंग अंकों में इजाफा किया है। इससे पहले उनके हाईएस्ट रेटिंग अंक 923 थे। रूट ने रैंकिंग में 100 से ज्यादा अंकों की बढ़त हासिल की। वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 829 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनके साथ इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 829 अंक भी हैं। ब्रूक ने मुल्तान में तिहसा शतक (317) जमाया था उन्होंने 11 स्थान की छलांग लगाई। कोहली सातवें नंबर पर हैं।

राजधानी

200 फीट अजमेर रोड से 14 नंबर सीकर रोड तक सभी अंडरपास की चौड़ाई बढ़ाने की कवायद शुरू

जयपुर। राजधानी जयपुर में 200 फीट अजमेर रोड से लेकर 14 नंबर सीकर रोड तक सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ाने की कवायद शुरू हो गयी है। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बुधवार को इस संबंध में जेडीए और एनएचएआई के अधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा की।

आनंदी ने बताया कि जयपुर की सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव और सड़कों पर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अजमेर रोड 200 फीट पुलिया से लेकर सीकर रोड 14 नंबर तक के सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ायी जायेगी। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि सभी अंडरपास पर पी.सी.सी. का कार्य करवाया जा रहा है, एनएचएआई द्वारा सभी अंडरपास की चौडाई बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है, इससे आमजन को यातायात दबाव की समस्या से निजात मिलेगी।

बैठक में अजमेर रोड और सीकर रोड पर जल भराव से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की गई। अधिकारियोंने बताया कि 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक सर्विस रोड पर और पुलियाओं के नीचे पानी भराव की समस्या रहती है। इस पर एन.एच.ए.आई. अधिकारियों ने बताया कि सीकर रोड (200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर वीकेआई तक) और अजमेर रोड (कमला नेहरू नगर पुलिया से भांकरोटा तक) पर ड्रेनेज को रि-डिजाईन किया जायेगा, जिसके लिए आउटफॉल जेडीए द्वारा उपलब्ध करवाया जायेगा।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने जे.डी.ए. और एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों की बैठक ली।

जे.डी.ए. कमिश्नर ने आगरा रोड और अजमेर रोड पर एन.एच.ए.आई. द्वारा निर्माणाधीन क्लोवर लीफ व अन्य कार्यो के लिए जेडीए द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली भूमि के संबंध में दोनों विभागों के अधिकारियों को संयुक्त दौरा कर शीघ्र समाधान निकालने के लिए कहा।

जेडीए कमिश्नर आनंदी ने बताया कि 200 फीट बाईपास चौराहे पर एनएचएआई द्वारा दो अण्डरपास एवं दो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जनवरी 2025 तक प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है, इसके लिए जेडीए स्वामित्व और अन्य स्वामित्व की 3 हैक्टेयर भूमि की जरूरत होगी। बैठक में एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पूर्व में नॉर्थन रिंग रोड परियोजना के लिए जो भूमि अधिग्रहित की गई थी, उसे निरस्त कर दिया गया है। इसके लिए 92 किलोमीटर का नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

बैठक में जेडीए सचिव, निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम एवं द्वितीय, निदेशक आयोजना, अतिरिक्त आयुक्त (पूर्व), संबंधित उपायुक्त, एनएचएआई प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर, जेडीए एवं एनएचएआई के अधिकारीगण सहित संबंधित अधिकारीउपस्थित रहे।

अब राजस्थान उपचुनावों में भी जनता भाजपा के साथ : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनावों की सभी 7 सीटों पर जीत का दावा करते हुए कहा कि हरियाणा के साथ कश्मीर में भी भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिला है। ऐसे में उपचुनावों में भी प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों और योजनाओं के आधार पर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीताकर विधानसभा भेजेगी। विपक्षी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया था लेकिन जनता के आशीर्वाद से भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करवाई, अब उपचुनावों में भी सभी 7 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे।

मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की जनता ने 5 साल तक होटल और रिसोर्ट से चलने वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को देखा है, कुर्सी बचाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नकारा, निकम्मा जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन अब प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार जनता के लिए

> **'राजस्थान की जनता ने 5 साल तक झेली होटल वाली सरकार, प्रदेश में अब भजनलाल सरकार, जिसका जनता से सरोकार'**

काम कर रही है और जनता के सरोकार से जुड़ी है। राजस्थान के युवाओं के सपने साकार करने के लिए एक ओर भर्ती कैलेंडर जारी किया जा रहा है, तो दूसरी ओर राइजिंग राजस्थान के माध्यम से रोजगार लाने के लिए निवेशकों से एमओयू किए जा रहे है। इसकी बानगी राजस्थान में फिल्म सिटी के लिए एमओयू और फिर जमीन आवंटन की कार्यशैली को देखा जा सकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कहा कि भाजपा उपचुनावों में सरकार के विकास के कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएगी और कांग्रेस से सीटें छीनने के साथ सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे। भाजपा में टिकट वितरण केंद्रीय नेतृत्व जनता की राय और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर करता है। इसमें किसी का चेहरा नहीं देखा जाता बल्कि व्यक्ति की निष्ठा, सेवाभाव और कर्त्तव्य परायणता के साथ जनता का मत देखा जाता है। आज के बदले हुए समीकरणों के अनुसार टिकट का वितरण होगा। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाया, लेकिन अब समीकरण अलग है। जो जन सेवा के लिए मैदान में है, उसको उतारा जाएगा। भाजपा ऐसा संगठन है जहां एक राय होकर काम करते है।

राठौड़ ने कहा कि अब वो समय आ गया है जब जनता को बरगलाने से काम नहीं चलेगा। जनता विकास और कार्य के नाम पर वोट देती है। भाजपा की रणनीति साफ और स्पष्ट है कि केंद्र और राज्य सरकार के कार्यों के साथ योजनाओं को आधार बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा संगठन मजबूत है, यहां बूथ से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ताओं द्वारा सतत रूप से आमजन से संपर्क किया जा रहा है।

अपने ही फैसले वापस लेने वाली यह यूटर्न सरकार है : डोटासरा

जयपुर। एसआई भर्ती को लेकर असमंजस, महिला आईपीएस अधिकारी की लोकेशन ट्रेस के मामले और नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को मीडिया से कहा कि एक महिला एसपी की उन्हीं के मातहत कर्मचारी लोकेशन ट्रेस कर रहे हैं। आज तक सरकार ने एक शब्द नहीं कहा। ये किस मुंह से महिला सशक्तिकरण और महिला अपराध रोकने की बात कह सकते हैं।

डोटासरा ने कहा कि मंत्री ने इस्तीफा दे दिया और भाजपा मुख्यालय में एक कैबिनेट मंत्री हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री से कहता है कि इस्तीफा स्वीकार कर लो, लेकिन आज तक इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं आया। एक दिन मंत्री के लेटरपैड पर दस्तखत करते हैं। दूसरे दिन विधायक के लैटरपैड पर साइन करते हैं। मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल होते हैं तो जनता यह मानती है कि वे मंत्री हैं। दूसरे दिन कहते हैं कि एसआई भर्ती निरस्त करवाने आए थे। इसलिए लोगों की जुबान पर आ गया कि यह सर्कस है।

उन्होंने कहा कि अब यह यू-टर्न की सरकार बन गई है, जो अपना एक भी फैसला लागू नहीं करवा पाए। शिक्षा विभाग को लेकर कई वादे और दावे किए गए। आदेश जारी किए गए, लेकिन हर बार अपने पैर पीछे हटाने पड़े। कल तो हद हो गई,जब एक तबादला सूची आई और तीन घंटे बाद निरस्त हो गई।

राष्ट्रीय कला मिलन उत्सव 18 से

जयपुर। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती का तीन दिवसीय ''राष्ट्रीय कला मिलन उत्सव'' 18 से 20 अक्टूबर को गुलाबी नगर जयपुर में होगा। मानसरोवर की कृष्णा सागर कालोनी स्थित महेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन ''अभिनंदन'' के सभागार में 18 अक्टूबर को कला संवाद (संगोष्ठी) में ''भारतीय पारम्परिक कला दृष्टि और जीवन मूल्य'' विषय पर आचार्य भारत रत्न भार्गव वक्ता होंगे।कला संवाद की अध्यक्षता पाथेय कण के पूर्व संपादक कन्हैया लाल चतुर्वेदी और संचालन संस्कार भारती जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष जितेन्द्र जालोरी करेंगे।

राजस्थान स्टेट एंड हेल्थ केयर काउंसिल के चेयरमैन की नियुक्ति पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान स्टेट एंड हेल्थ केयर काउंसिल के चेयरमैन की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में एसीएस मेडिकल एंड हेल्थ, प्रमुख विधि सचिव और डॉ. एसएस यादव से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश सुनीता शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि भारत सरकार ने दी नेशनल कमीशन फोर अलाइड एंड हेल्थ प्रोफेशन एक्ट, 2021 पारित किया था। जिसमें स्वास्थ्य सेवा की विभिन्न ब्रांच को इस एक्ट के अधीन लाया गया। इसमें मेडिकल लेबोरेट्री, रेडियोग्राफर, ईसीजी, बीपीटी, बर्न फिजियो प्रोफेशन व प्राकृतिक चिकित्सा को भी शामिल किया गया। इस एक्ट के तहत काउंसिल के चेयरमैन पद पर उसी को पात्र माना गया, जिसके पास इन सेवा में 25 साल का कार्य अनुभव व मास्टर की डिग्री हो। इसके बावजूद राज्य सरकार ने गत 30 अगस्त को आदेश जारी कर डॉ. एसएस यादव को काउंसिल का चेयरमैन नियुक्त कर दिया। जबकि डॉ. एसएस यादव इनमें से किसी विभाग से नहीं आते हैं। ऐसे में वे केन्द्र सरकार की 28 मार्च 2021 की गजट नोटिफिकेशन की शर्त के तहत पात्र नहीं हैं और यह उनकी नियुक्ति इस शर्त की अवहेलना है। इसलिए चेयरमैन के पद से उसकी नियुक्ति को रद्द किया जाए।

एम.जी.एस.यू. में विकसित भारत 2047 पर मंथन, देश-विदेश से जुटेंगे विद्वजन

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय एवं भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 19 अक्टूबर तक भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद का वार्षिक अधिवेशन एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत 2047' का आयोजन विश्वविद्यालय के मीराबाई सभागार में किया जायेगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद शैक्षिक उन्नयन हेतु यह आयोजन अब तक के सबसे बड़े शैक्षणिक आयोजन की श्रेणी में शामिल होगा। प्रेस वार्ता में कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने बताया कि भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के आग्रह पर विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त आयोजन पर अपनी सहमति प्रदान की गई थी।

प्रोफेसर दीक्षित ने बताया कि इस आयोजन में देश विदेश से करीब 1500 प्रतिभागी विभिन्न सत्रों से शामिल होंगे। जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं विषय से जुड़े शिक्षाविद् एवं शोधार्थी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 17 अक्टूबर को आयोजन के दौरान एक विशेष प्रशिक्षण सत्र भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में आयोजित होगा। जिसमें विषय विशेषज्ञ लोग प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेंगे उक्त प्रतिभागी उपरोक्त विषय के संदर्भ में देश-विदेश में विषय पर अपनी बात रखेंगे।

एम.जी.एस.यू. में विकसित भारत- 2047 अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर का विमोचन कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने किया।

विश्वविद्यालय कुलसचिव हरि सिंह मीणा ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। प्रतिभागियों को ठहरने, भोजन, आवागमन एवं विभिन्न तकनीकी सत्रों के लिए अलग अलग कमेटियां बनाई गई है। इस आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। आयोजन को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय में व्यापक साफ- सफाई अभियान एवं कला संस्कृति से प्रतिभागियों को अवगत कराने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में विशेष सजावट की गई है।

विश्वविद्यालय वित्त नियंत्रक अरविंद सिंह विश्नोई ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा मरू गंगा स्मारिका का भी प्रकाशन किया जायेगा। भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के महासचिव एवं पूर्व कुलपति डॉ संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद अपने वार्षिक अधिवेशन में समसामयिक विषयों पर शिक्षाविदों के बाद मध्य व्यापक विचार विमर्श उपरांत एक रिपोर्ट तैयार कर संबंधित संस्थाओं को प्रेषित करती है। इस अवसर पर भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद द्वारा शिक्षाविदों द्वारा प्रेषित किए गए विचारों को संकलित करते हुए विशेष जनरल का प्रकाशन भी किया जायेगा।

- 17 से 19 अक्टूबर तक भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद का वार्षिक अधिवेशन एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत 2047' का आयोजन होगा

विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी एवं अतिरिक्त कुल सचिव डॉ विठ्ठल बिस्सा ने बताया कि प्रतिभागियों को बीकानेर की कला एवं संस्कृति से अवगत कराने के लिए स्थानीय कलाकारों द्वारा 18 अक्टूबर को 6 बजे विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही बीकानेर की संस्कृति व खानपान पद्धति से अवगत कराने हेतु एक कान्क्लेव का भी आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में होगा। जिसमें उस्ता आर्ट, बीकानेर की परम्परागत खान-पान पद्धति एवं कला संस्कृति को प्रदर्शित किया जायेगा।

चानणा धाम हनुमान मेले में उमड़े श्रद्धालु

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के पदमपुर कस्बे के गांव चानणा धाम स्थित हनुमान मंदिर में बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। यहां वार्षिक मेला चल रहा है। श्रीगंगानगर ही नहीं आसपास के इलाके से भी लोग पैदल चानणा धाम हनुमानजी के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

यहां हर साल दशहरे के दिन अखंड राम नाम संकीर्तन शुरू होता है। जो 5 दिन तक लगातार चलता है। इसी क्रम में 12 अक्टूबर को शुरू हुआ अखंड राम नाम संकीर्तन मंदिर परिसर में जारी है। इसका समापन बुधवार शाम को होगा। इसके बाद रात को जागरण होगा। आयोजन का समापन गुरुवार सुबह 4 बजे आरती के साथ होगा। मंदिर परिसर में आयोजन के लिए सेवादारों को ड्यूटी दी गई हैं। दशहरे से अब तक लगातार श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए श्रीगंगानगर और जिले के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पैदल दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए। मंदिर में आज शाम तक अखंड संकीर्तन चलेगा। इसके बाद रात को जागरण होगा। आयोजन में महंत गोपीराम बगड़िया सहित बड़ी संख्या में इलाके के लोग शामिल हो रहे हैं। मंदिर के सेवादार राकेश गोयल ने बताया कि शाम को अखंड संकीर्तन का समापन होगा व रात को जागरण होगा।

सार-समाचार

मनरेगा कार्यों पर प्रशिक्षण

जिला परिषद सभागार में मनरेगा के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण को आराधना शर्मा ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के और बेहतर क्रियान्वयन के मद्देनजर ज़िले के समस्त तकनीकी व लेखा अधिकारियों और कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन अधिशाषी अधिकारी धीर सिंह गोदारा अधिशासी अभियंता ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा के सफल क्रियान्वयन में तकनीकी एवं लेखा अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताया। महात्मा गांधी नरेगा योजना के स्वीकृत कार्यों में श्रम नियोजन के संबंध में तकनीकी अधिकारियों को जानकारी दी। उन्होंने निर्देशित किया गया कि आगामी वार्षिक कार्ययोजना में राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में निर्धारित तिथिवार कैलेंडर अनुसार कार्य निष्पादन करवाना सुनिश्चित करें। जिला आईईसी समन्वयक गोपाल जोशी ने आईईसी गतिविधियों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में बताया। सहायक अभियंता आराधना शर्मा ने वार्षिक कार्य योजना 2025-26 के बारे में तथा एसबीएम में महत्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में समझाया। अधिशाषी अभियंता रामनिवास शर्मा ने जिला परिषद में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए स्थापित की लैब तथा इसमें निर्माण सामग्री की जांच के बारे में बताया। महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य योजनाओं के संबंध में तकनीकी अधिकारियों व लेखाधिकारियों से संवाद किया। सहायक अभियंता मनीष पूनिया ने कन्वर्जेंस के बारे में जानकारी दी। लेखाधिकारी प्रेम सागर यादव एवं ताराचंद लेखा अधिकारी ने लेखा संबंधी जानकारी दी और तकनीकी और लेखा के सहयोग से समय बाद भुगतान एवं यूसीसी समायोजन एवं ऑडिट की जानकारी दी। संजय श्रीमाली एवं ओमप्रकाश द्वारा एमआईएस संबंधी जानकारी दी गई तथा एमआईएस में वार्षिक कार्य योजना अपलोड करने के बारे में बताया। सहायक अभियंता राघवेन्द्र बीका ने जीएस लैब ए मैप सिक्योर के बारे में जानकारी दी। एफईएससंस्थान द्वारा चारागाह विकास के संबंध में पुष्पराज और फूली देवी ने चारागाह विकास के संबंध में जानकारी दी।

वेटरनरी में रोजगार की जानकारी दी

नव प्रवेशित वेटरनरी विद्यार्थियों के ओरियंटेशन कार्यक्रम को अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच. प्रथम वर्ष (सत्र 2024-25) में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने बुधवार को आयोजित ओरियंटेशन कार्यक्रम में भाग लेकर सभी संबंधित विभागों का भ्रमण कर महाविद्यालय की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं को देखा और जाना। वेटरनरी ऑडिटोरियम में आयोजित ओरियंटेशन कार्यक्रम में वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच ने विद्यार्थियों को वेटरनरी विश्वविद्यालय में प्रवेश की बधाई दी एवं वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के इतिहास संरचनात्मक ढांचे पशुपालकों के विकास में इस महाविद्यालय के योगदान एवं वेटरनरी में विद्यार्थियों के रोजगार अवसरों के बारे में बताया। प्रो. दाधीच ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहते हुए शिक्षण श्रेष्ठता हासिल करने एवं सर्वांगीण विकास की बात कही। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण बिश्नोई ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध हॉस्टल, इंटरनेट, पशुचिकित्सा, खेलकूद, एन.सी.सी. एवं अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर को रैगिंग फ्री कैम्पस बताते हुए सभी नवागंतुक विद्यार्थियों को रैगिंग नहीं होने के प्रति आश्वस्त किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनीता पारीक ने विद्यार्थियों को उपस्थिति अनिवार्यता एवं परीक्षा शेड्यूल के बारे में बताया। डॉ. पंकज थानवी ने विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के बारे में बताया। डॉ. सुनीता चौधरी ने विद्यार्थियों को एन.सी.सी. के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. नीरज कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को एन.एस.एस. के बारे में जानकारी दी। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अशोक डांगी ने विद्यार्थियों को छात्र कल्याण गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए शिक्षण के साथ-साथ शैक्षणेत्तर गतिविधियों एवं ड्रेस कोड़ के बारे में विस्तृत से बताया। ओरियंटेशन कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य एवं नवआगंतु विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे। डॉ. अरूण कुमार झीरवाल एवं डॉ. देवेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों पुस्तकालय एवं व्याख्यान कक्षों का भ्रमण करवाया।

टी.बी. नोटिफिकेशन नहीं करने पर होगी कार्रवाई : जितेन्द्र रॉय

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य से स्टेट टीबी टैक्नीकल स्पोर्ट टीम द्वारा बीकानेर जिले में टीबी रिपोर्ट की समीक्षा हेतु विजिट की गई। राज्य टीबी टीम द्वारा बीकानेर जिले के हॉस्पिटल, प्राइवेट चिकित्सक, प्राइवेट लैब और मेडिकल स्टोर की विजिट कर टब नोटिफिकेशन की समीक्षा की गई।

भारत सरकार के आदेशानुसार सभी को टीबी नोटिफिकेशन करना अनिवार्य है। यदि कोई भी टीबी नोटिफिकेशन नहीं करता है या उसमें लापरवाही करता है तो उसके विरूद्ध सरकार द्वारा अनिशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। प्राइवेट हॉस्पिटल, क्लीनिक की विजिट कर टीबी नोटिफिकेशन की जांच की गई। टीबी टैक्नीकल यूनिट के शुभम रॉय ने प्रत्येक टीबी मरीज़ों को निक्षय पोर्टल पर इन्द्राज समय पर करने हेतु निर्देशित किया।

प्रत्येक क्षय रोगी की सीबीनाट जांच अवश्य करवाने हेतु निर्देश दिए। स्टेट के टीबी एक्सपर्ट जीतेन्द्र कुमार ने निजी लैब का अवलोकन किया और टीबी लैब रजिस्टर की जांच की। टीबी पॉजिटिव आये मरीज़ों को निक्षय पोर्टल पर रजिस्टर करने हेतु निक्षय की जानकारी दी।

स्टेट टीबी टैक्नीकल स्पोर्ट टीम ने मेडिकल स्टोर की विजट कर टब नोटिफिकेशन की समीक्षा की।

प्राइवेट मेडिकल स्टोर को टीबी नोटिफिकेशन शेड्यूल एच 1 के अंतर्गत रजिस्टर करना अनिवार्य है। जिला समन्वयक विक्रम सिंह राजावत ने बताया कि सभी टीबी मरीज़ों की बैंक डिटेल निक्षय पोर्टल पर इन्द्राज करें जिससे डीबीटी के माध्यम द्वारा मरीज़ों को निक्षय पोषण हेतु पोषण राशि उसके खाते में भेजी जा सकें। स्टेट टीम द्वारा सभी टीबी रिपोर्ट्स को जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ सी एस मोदी के साथ मीटिंग कर समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ राजेश गुप्ता से भी टीबी नोटिफिकेशन पर समीक्षा की गई। सभी सरकारी चिकित्सालयों में टीबी की जांच व इलाज है।

25 पेटी शराब सहित दबोचा

बीकानेर, (कासं)। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की सख्ती एक बार फिर सामने आई है। लूणकरनसर पुलिस ने अवैध रूप से शराब ले जा रहे एक वाहन को जब्त करने के साथ ही तीस साल के युवक को गिरफ्तार कर करीब 1200 पव्वे शराब बरामद की।

लूणकरनसर पुलिस के अनुसार देर रात गश्त के दौरान हरियासर टोल नाके के पास एक स्विफ्ट कार को रोककर उसमें तलाशी ली गई। इस बार में आगे की सीट और पीछे की साइड में बड़ी संख्या में कार्टन भरे हुए थे। चैक करने पर 25 कार्टन मिले।

इन सभी में भारी मात्रा में शराब थी, जिसे जब्त कर लिया गया। करीब बारह सौ पव्वों में भरी लाखों रूपए की शराब कहां से लाने ओर किसके लिए लाने का पूछने पर युवक भैरूसिंह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

लूणकरनसर के ही रहने वाले भैरूसिंह को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मुखबीर ने पुलिस को सूचना दी थी कि एक कार में अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। इस कार के आगे टाइगर फोर्स लिखा हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने उसे रोक कर तलाशी लो तो अवैध शराब मिली।

मूंगफली की खरीद 18 नवम्बर से होगी

अनूपगढ़, (कासं)। मूंग का समर्थन मूल्य 8682 रुपए प्रति क्विंटल होगा। उड़द और सोयाबीन की खरीद 15 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। जबकि मूंगफली का समर्थन मूल्य 6783 रुपए प्रति क्विंटल की खरीद 18 नवम्बर से 90 दिनों की अवधि के लिए पूर्व प्रक्रिया के अनुसार प्रारंभ की जायेगी। खरीद के लिए राजफैड द्वारा दिशा निर्देश और गुणवत्ता मानक जारी किए गए हैं।

अनूपगढ़ सहकारी समिति के उप रजिस्ट्रार जयपाल गोदारा ने बताया कि किसानों के पंजीकरण के लिए राजफैड का ऑनलाइन पोर्टल 15 अक्टूबर से चालू हो चुका है। ऑनलाइन पंजीकरण का समय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। किसान ई-मित्र के माध्यम से पंजीकरण के लिए डीऑआईटी द्वारा निर्धारित शुल्क 31 रुपए देकर पंजीकरण करा सकते हैं। गिरदावरी उसी नाम पर होनी चाहिए जिसके नाम से पंजीकरण होगा। गिरदावरी में रकबा हेक्टेयर में अंकित होना चाहिए। पी-35 का क्रमांक और दिनांक ऑफलाइन गिरदावरी में अनिवार्य है। जबकि ऑनलाइन गिरदावरी पर इसकी अनिवार्यता में शिथिलता दी गई है। हालांकि पटवारी की मोहर और मोबाइल नंबर अंकित होना आवश्यक है। गिरदावरी में बुवाई का क्षेत्रफल हेक्टेयर में अंकित होना चाहिए। साथ ही बोई गई फसल का नाम और रकबा स्पष्ट होना चाहिए। बटाईदार की स्थिति में कृषि भूमि मालिक और बटाईदार के बीच बुवाई से पूर्व या बुवाई अवधि के लिए अनुबंध होना अनिवार्य है।

- मूंगफली का समर्थन मूल्य 6783 रुपए प्रति क्विंटल से खरीद होगी

मूंग और उड़द के लिए यह अनुबंध जून 2024 से जुलाई 2024 तथा मूंगफली और सोयाबीन के लिए मई 2024 से जुलाई 2024 के बीच होना चाहिए। यह अनुबंध 100 रुपए के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर होना चाहिए। बटाई अनुबंध को पंजीकरण के समय अपलोड कराना अनिवार्य होगा, अन्यथा पंजीकरण मान्य नहीं होगा। भारत सरकार के 25 प्रतिशत अनुमानित लक्ष्यों के आधार पर मूंग और मूंगफली की अधिकतम खरीद सीमा 25 क्विंटल प्रति किसान निर्धारित की गई है।

वाल्मीकि प्रकट दिवस पर शोभायात्रा निकाली

श्रीगंगानगर, (कासं)। भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस पर बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में शोभायात्रा निकाली गई। ये शोभायात्रा शहर के वार्ड पांच, कबीर चौक सहित अलग-अलग इलाकों से रवाना हुई।

शोभायात्रा में शामिल लोगों ने इंदिरा चौक स्थित वाल्मीकि समाज धर्मशाला में भगवान वाल्मीकि के मंदिर में धोक लगाई। यहां नगर परिषद के पूर्व सभापति श्यामलाल धारीवाल सहित प्रमुख लोगों ने शोभायात्रा की अगवानी की।

कबीर चौक से रवाना हुई शोभायात्रा में भगवान शिव की सचेतन झांकी। राधाकृष्ण, बजरंग बली, रथ पर सवार लवकुश तथा माता सीता और लवकुश की झांकी सहित विभिन्न झांकियां शामिल थी। वाल्मीकि धर्मशाला परिसर में स्थापित भगवान वाल्मीकि के मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि, लवकुश और मतंग ऋषि की प्रतिमाओं को धोक लगाया।

शोभायात्रा में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। बैंड की धुन के साथ आगे बढ़ती शोभायात्रा को देखने के लिए लोग सड़कों पर निकल आए। वहीं वार्ड पांच में वाल्मीकि मंदिर से भी शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वाल्मीकि धर्मशाला परिसर पहुंची।

शनिवार को भी खुलेंगे पंजीयन कार्यालय

बीकानेर, (कासं)। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अधीन समस्त पदेन एवं उप पंजीयक कार्यालय अक्टूबर के अंतिम दोनों शनिवार को राजकीय अवकाश के दिन सामान्य कार्य दिवस की भांति खुले रहेंगे।

पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के महानिरीक्षक आशीष गुप्ता ने फेस्टिवल सीजन को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार दोनों शनिवार को दस्तावेजों के पंजीयन तथा अन्य समस्त राजकीय कार्य सम्पादित किए जायेंगे। लोगों की छुट्टी के दिन भी सुविधा के लिए खुले रहेंगे।

कविता करना एक चुनौतीपूर्ण सृजनात्मक काम : रंगा

बीकानेर,(कासं)। प्रज्ञालय संस्थान एवं राजस्थानी युवक लेखक संघ द्वारा अपनी मासिक साहित्यिक नवाचार के तहत प्रकृति पर केंद्रित काव्य रंग-शब्द संगत की पांचवीं कड़ी नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन में आयोजित की गई।

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने कहा कि कविता करना एक चुनौतीपूर्ण सृजनात्मक उपक्रम है। जिसके तहत ही प्रकृति के विभिन्न आयामों को केन्द्र में रखकर हिन्दी, उर्दू एवं राजस्थानी के विशेष आमंत्रित कवि-शायरों ने आज नदी के विभिन्न पक्षों को उकेरते हुए काव्य रस धारा से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

- प्रकृति पर केंद्रित काव्य रंग-शब्द संगत आयोजित

कविता, गीत, गजल, हाइकू एवं दोहों से सरोबार इस काव्य रंगत में शब्द की शानदार संगत रही। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नवाचार के साथ-साथ नव रचना वाचन होता है जिससे नगर की काव्य परम्परा को समृद्ध करने का एक सफल उपक्रम होता है।

जिसके लिए आयोजक एवं संस्था साधुवाद की पात्र है। ऐसे आयोजन नगर के साहित्यिक वातावरण को स्वस्थ करता है। कार्यक्रम में काव्य पाठ करते हुए वरिष्ठ कवि कमल रंगा ने अपनी कविता 'बण'र गूंज री अणगूंज/संपती रैयी है, अलेखूं बरसा सूं/मानखै नैं चेतौ/बैवती नदी कै/थिर थार नदी...के माध्यम से नदी के मानवीय करण एवं विभिन्न पक्षों को रेखांकित किया।

जीवन में कभी हताश ना हों, मैं खुद चौथे प्रयास में आई.ए.एस. बनी : अर्पणा गुप्ता

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अलख फाउंडेशन के सहयोग से मेंटल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से विद्या मंडप सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यूआईटी सचिव डॉ अर्पणा गुप्ता थी। विशिष्ट अतिथि अलख फाउंडेशन की सचिव श्रीमती रानु पाराशर, डॉ ऋतु जैन और साइकोलॉजिस्ट डॉ खुशबू सुथार थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि डॉ गुप्ता ने कहा कि जीवन में कभी हताश ना हों। मैं खुद चौथे प्रयास में आईएएस बनी। साथ ही कहा कि अगर आपके परिवार या आसपास लगे कि किसी को मदद की जरूरत है और वो आगे नहीं बढ़ पा रहा है तो आप एक कदम उसकी ओर बढ़ाइए। हो सकता है आप किसी की जान बचा पाएं। गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी अपने इनर सर्कल के चार-पांच लोगों का आपस में ध्यान रखें। हॉस्टल में कभी कोई मैस में खाना खाने नहीं आ रहा तो उनके परिजन को बताएं या खुद बात करें।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में मेंटल हेल्थ पर जागरूकता कार्यक्रम को डॉ. अर्पणा गुप्ता ने संबोधित किया।

डेंगू, मलेरिया को लेकर जिस तरह हम डॉक्टर्स के पास जाते हैं। एंजाइटी, डिप्रेशन के मामले में भी हम उसी तरह डॉक्टर से संपर्क करें। इसमें शर्म की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अलख फाउंडेशन मेंटल हेल्थ को लेकर अच्छा कार्य कर रहा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति अरूण कुमार ने कहा कि समस्याएं सबके जीवन में आती हैं लेकिन हमें कभी हार नहीं माननी हैं। अगर कभी हम फैल भी होते हैं तो अगली बार दुगुनी शक्ति और मेहनत से टार्गेट हासिल करें। कई बार माता पिता अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हों।

ऐसे में विद्यार्थी एक दूसरे का सहयोग करें। इससे छोटी छोटी समस्याएं आसानी से हल हो जाती हैं। हम सब मिलकर नए राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि कोटा में हम बच्चों की सुसाइड की घटनाएं सुनते हैं। इसको रोकने को लेकर प्रयास हो।

- राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मेंटल हेल्थ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मोटे अनाजों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में बताया

बीकानेर, (कासं)। पोषक अनाजों के उत्पादन में वृद्धि, मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के संबंध में जागरूकता लाने के उद्देश्य से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज जिला स्तरीय प्रशिक्षण बुधवार को आत्मा सभागार कृषि भवन में आयोजित किया गया।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने किसानों से अधिक से अधिक मिलेट्स उगाने का आव्हान किया और कहा कि इससे आय में वृद्धि होगी। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया।

डॉ अमर सिंह गोदारा ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। डॉ नारायण सिंह नाथावत ने मोटे अनाजों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक ओमप्रकाश तर्ड ने राजस्थान के परिपेक्ष्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका की पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। कम्यूनिटी विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. रूपम गुप्ता ने पौषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स जिला स्तरीय प्रशिक्षण को भैराराम गोदारा ने संबोधित किया।

मुकेश गहलोत ने उद्यान विभागीय योजनाओं के बारे में बताया। प्रमाणीकरण अधिकारी अशोक बंसल ने जैविक बीज प्रमाणीकरण प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रगतिशील किसानों के साथ विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

कांग्रेस सरकार में पेपर लीक, युवाओं के भविष्य से किया खिलवाड़ : झाबर सिंह

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी संभाग मुख्यालय में प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 10 माह के कार्यकाल और उपलब्धियों पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने प्रेस वार्ता को संबोधित कर सरकार द्वारा किए कार्यों के बारे में जानकारी दी।

झाबर सिंह खर्रा ने कहा प्रदेश की भजनलाल सरकार हर वर्ग के लिए हर क्षेत्र में काम कर रही है। राजस्थान की सरकार देश की पहली ऐसी सरकार है जिसने शिक्षित, अशिक्षित, नौजवान युवाओं को काम देने के लिए एक अभियान छेड़ा है। खर्रा ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया और हर परीक्षा में पेपर लीक किए गए। हजारों युवाओं का कैरियर बर्बाद किया। हमारी सरकार ने पहला सबसे बड़ा काम यह किया कि पेपर लीक पर रोक लगा दी। पिछली सरकार में फर्जीवाड़े से नौकरी करने वालों को चुन चुनकर पकड़ा। हर दिन ऐसे फर्जी लोगों को एसओजी पकड़ रही है।

छोटी मछलियां भी पकड़ी जा रही हैं और बड़े मगरमच्छ भी गिरफ्त में आ रहे हैं। राजस्थान की पिछली गहलोत सरकार में 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। जिनमें से 8 परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया था। उनमें से 50 हजार से अधिक पदों की भर्तियों को

बीकानेर संभाग भाजपा कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। विधायक सिद्धि कुमारी, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित भी मौजूद थी।

- नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सरकार द्वारा किए कार्यों के बारे में जानकारी दी
- फर्जीवाड़े से नौकरी करने वालों को एसओजी ने पकड़ा

गहलोत सरकार ने रद्द किया था। मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि इस साल राज्य सरकार 1 लाख नौकरियां देगी। आपको यह जानकार खुशी होगी कि दिसम्बर से पहले हमारी सरकार एक लाख सरकारी नौकरियों के आंकड़ों को पार कर लेगी। 200 से अधिक आयोजित परीक्षाओं के परिणाम जारी होना शेष है और 50 हजार से अधिक नियुक्तियों के विज्ञापन प्रकाशित हो चुके हैं और 3 हजार से अधिक पदों के विज्ञापन जारी होना शेष है। हमारी सरकार ने दूसरा बड़ा काम यह किया कि राज्य के इतिहास में पहली बार भर्ती कैलेंडर जारी कर दिया। कोई सोच नहीं सकता है कि दो साल से अधिक समय का भर्ती कैलेंडर जारी कर दिया गया है।

खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने की दृष्टि से युवाओं नीति 2024 लाने की बजट में घोषणा की है। स्टेट स्किल पॉलिश, अटल एंटरप्रेनरशिप प्रोग्राम स्टार्टअप को इक्विटी फंडिंग के द्वारा 100 करोड़ रूपए से फाउंड ऑफ फंड देने की घोषणा भी ऐतिहासिक है।

इसी के साथ युवाओं की मांग पर सीईटी पात्रता परीक्षा में 40 प्रतिशत का मापदंड तय किया। कर्मचारी चयन बोर्ड ने 70 संवर्गों की तिथि वार घोषणा की है। युवाओं के सपनों साकार करने का भजनलाल सरकार युवाओं के प्रति विजन जाहिर होता है। वर्तमान में राज्य सरकार ने कुल 1 लाख 11 हजार से अधिक सरकारी नियुक्तियों के लिए विज्ञप्ति जारी कर दी है। जिसमें से 32 हजार से ज्यादा लोगों पदस्थापित कर दिया है। इसी माह में 10 हजार से अधिक विभिन्न संवर्गों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं।

सरकार ने अपने कार्यकाल में 4 लाख सरकारी नौकरी और 6 लाख लोगों को स्किल के साथ रोजगार देने की घोषणा की है। आज की प्रेस वार्ता में शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य, विधायक सिद्धि कुमारी, ताराचंद सारस्वत, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य, महामंत्री मोहन सुराणा, श्यामसुंदर चौधरी, नरेश नायक, श्याम पंचारिया, महेश मूंड, मीडिया संयोजक मनीष सोनी उपस्थित थे।

दुकान से 4.65 लाख रूपए चोरी

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के लक्कड़ मंडी टी-प्वाइंट के पास एक दुकान से 3 युवकों ने रूपये और विदेशी करेंसी से भरा बैग चुराया और फरार हो गए। घटना जिस समय हुई दुकानदार दुकान में ही सोया हुआ था।

रूपए और विदेशी करेंसी का मूल्य भारतीय मुद्रा 4.65 लाख रूपए है। तीनों युवक चोरी करने के बाद लक्कड़ मंडी टी-प्वाइंट से सुखाड़िया सर्किल की तरफ फरार हो गए। इस संबंध में मंगलवार देर रात पीड़ित ने जवाहर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच अधिकारी एएसआई सूरजभान चोरी के आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस को दी रिपोर्ट में अग्रसेन नगर के रहने वाले पीडित राजेन्द्र कुमार पुत्र बाबूलाल ने बताया कि उसकी लक्कड़ मंडी टी-प्वाइंट के पास दुकान है। इस दुकान पर वे मनी ट्रांसफर का काम करते हैं। ऐसे में उनके यहां विदेशी करेंसी की भी डीलिंग होती है। उसने दुकान में एक बैग में 2.95 लाख रूपए इंडियन करेंसी और 1.70 लाख रूपए मूल्य की विदेशी करेंसी रखी थी। दोपहर में इस करेंसी से भरा बैग दुकान में रखा था और वह दुकान में सो रहा था। इसी दौरान किसी समय अज्ञात युवक आये और विदेशी करेंसी से भरा बैग चुरा ले गए। जांच अधिकारी ने बताया कि वारदात के बाद के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक सीसीटीवी फुटेज में 3 आरोपी नजर आए है। ये तीनों वारदात करने के बाद सुखाड़िया सर्किल की तरफ भागते नजर आ रहे हैं।

सार-समाचार

नए एसपी कावेन्द्र सागर का अभिनंदन

गंगाशहर नागरिक परिषद ने नए एसपी कावेन्द्र सिंह सागर को साफा व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर नागरिक परिषद द्वारा बुधवार को जिले में आए नए एसपी कावेंद्र सिंह सागर का अभिनंदन किया गया। एसपी को साफा पहनाया गया और शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। अभिनंदन करने वालों में कन्हैयालाल बोथरा, मोहन सुराणा, सम्पत दुग्गड़ व महेन्द्र मौजूद थे। अभिनंदन के बाद गंगाशहर यातायात की समुचित व्यवस्था को लेकर कारगर कार्यवाही कराने को लेकर भी चर्चा की गई। बोथरा व अन्य परिषद से जुड़े लोगों ने एसपी को बताया कि भीनासर, सुजानदेसर आदि से आने-जाने का चौराहा होने व इसके आस-पास गाड़े, टैक्सियों व अतिक्रमण के चलते यहां यातायात की असुविधा रहती है। चौराहे पर भी लगातार जाम लगा रहता है। अस्पताल में हजारों रोगियों के आवागमन व एम्बुलेंस आदि के आने-जाने में भी दिक्कत आती है। बोथरा व सुराणा ने एसपी से अस्पताल परिसर का अवलोकन करने के साथ ट्रेफिक पुलिस की भी नियमित व्यवस्था कराने की बात कही। साथ ही उपनगर गंगाशहर में नोखा रोड़ पर दोनों बस स्टैण्ड के पास ट्रेफिक की बहुत असुविधा रहती है। यहां यात्रियों को चढ़ाने-उतारने के लिए बसों की मुख्य रोड पर ही खड़े करने से यातायात बाधित होता है व दुर्घटना की आशंका भी रहती है।

लाइव फाइट के पोस्टर का विमोचन

लाइव फाइट के पोस्टर का विमोचन जीनोवा सोलर के राजस्थान सेल्स हैड युनूस खान ने किया।

बीकानेर, (कासं)। डबलू- डबलू फाइट को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जीनोवा सोलर की ओर से बीकानेर के खाजूवाला तहसील में 9 नवम्बर को लाइव फाइट का आयोजन किया जायेगा। दूसरी बार होने वाले इस आयोजन में डबलू- डबलू रेसलर दलीप सिंह राणा, द ग्रेट खली और सिने अभिनेता गुलशन ग्रोवर बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे। पत्रकारों को जानकारी देते हुए जीनोवा सोलर के राजस्थान सेल्स हैड युनूस खान ने बताया कि कार्यक्रम में देश के ख्यातनाम सिंगर हरजीत हरमन व अजय हुड्डा भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। जो लाइव फाइट के बाद अपनी प्रस्तुतियां भी देंगे। इस मौके पर डबलू- डबलू के पन्द्रह फाइटर लाइव फाइट करेंगे। इस दौरान जीनोवा सोलर उपभोक्ताओं को सम्मानित भी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इस प्रकार का इवेन्ट 2021 में किया जा चुका है। उस आयोजन में भी द ग्रेट खली बतौर अतिथि मौजूद रहे थे। खाजूवाला में होने वाले इस दूसरे आयोजन के पोस्टर का विमोचन जीनोवा सोलर के राजस्थान सेल्स हैड युनूस खान के साथ शौकत अली, रफीक खान, प्रभू सैन, ओम सियाग, विनय हर्ष, सुरेन्द्र गोदारा, रवि सियाग, राधेश्याम भांभू, विकास चौधरी, सांवतराम कूंकणा आदि ने किया। उन्होंने बताया कि जल्द ही इसका तीसरा संस्करण बीकानेर शहर में आयोजित करवाया जायेगा।

खेजड़ी बचाने के लिए धरना जारी

नोखा, (कासं)। खेजड़ी बचाओ पर्यावरण बचाओ संघर्ष समिति की ओर से जिला कलेक्ट्रेट पर 44 दिनों से तथा छतरगढ उपखंड पर 61 दिनों से दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। अलका विश्नोई का आमरण अनशन भी 15 दिनों से चल रहा है। इसके अलावा संस्था सचिव रामकिशन डेलू, नरसिंह भाटी बीकानेर, शिवकरण डेलू गंगाशहर, सुंदरलाल पूनियां जेगला, एवं सुनील भांभू जेडी मगरा क्रमिक अनशन पर बैठे। धरनास्थल पर पहुंचे मुकाम पीठाधीश्वर स्वामी रामानंद आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि लम्बे समय तक जिले में पर्यावरण प्रेमियों द्वारा दिए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने एवं व्यापक विरोध के बावजूद अभी तक सरकार एवं जिला प्रशासन खेजड़ियों की हो रही अवैध कटाई को रूकवाने को गंभीर नहीं दिखाई देता। इस अवसर पर मोखराम धारणियां, मोतीराम सियाग, भेरूलाल मंडा रासीसर, बनवारी लाल डेलू नोखा, रामप्रताप डेलू बीकानेर, भंवरलाल बनियां, मांगीलाल पूनियां, सोहनलाल मेघवाल, कालूराम बापेऊ, रामनिवास राजेडू आदि मौजूद थे।

एन.सी.सी. में भर्ती 23 को

नोखा, (कासं)। यहां मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय के सत्र 2024-25 के स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राओं के लिए एन.सी.सी. में नई भर्ती 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से महाविद्यालय परिसर में होगी। कार्यवाहक प्राचार्य व एस.सी.सी. प्रभारी कैप्टन डॉ रणवीर सिंह ने बताया कि भर्ती के इच्छुक विद्यार्थी भर्ती के लिए निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भर कर सभी आवश्यक मूल दस्तावेज व अपनी नवीनतम 2 फोटो भर्ती स्थल पर साथ लेकर आयेंगे। भर्ती प्रक्रिया 7वीं राज बटालियन के निर्देशानुसार की जायेगी।

डेंगू का डंक, 42 और नए रोगी मिले, आंकड़ा 505 पहुंचा

बीकानेर, (कासं)। डेंगू की रिपोर्ट में 42 नए रोगी और मिले। इन्हें मिलाकर इस साल अब तक जिले में पॉजिटिव रोगियों की संख्या 505 हो गई है। शहर की 12 कॉलोनियां डेंगू हाई रिस्क जोन घोषित कर दी गई हैं। जनवरी से अब तक शहरी क्षेत्र में डेंगू के 182 से अधिक केस पॉजिटिव रिपोर्ट हो चुके हैं। अब तक जिले से बाहर के चार रोगियों की मौत हुई है।

प्राइवेट सेक्टर की बात करें तो वहां शहर के दस प्रमुख हॉस्पिटल्स में इन दिनों रोज औसत 5 से 10 डेंगू रोगी रिपोर्ट हो रहे हैं। सीएमएचओ ने जिलेभर में 832 स्वास्थ्य दल तैनात कर रखे हैं। पूरा महकमा इन दिनों एंटी लार्वा एक्टिविटी कर रहा है। उसके बाद भी रोज डेंगू के मरीज रिपोर्ट हो रहे हैं। टीम ने सर्वे किया तो खासकर पार्कों में पक्षियों के लिए रखे पालसिए देखे तो उनमें काई जमी हुई थी और बड़ी संख्या में मच्छरों के लार्वा नजर आए।

भवन निर्माण कार्य स्थलों पर पानी

- 12 कॉलोनियां हाई रिस्क जोन में, डेंगू के सबसे ज्यादा 182 केस यहीं से रिपोर्ट हुए

की टंकियां, ड्रम और पशुओं के लिए पानी की खेलियों में भी लार्वा तैर रहे थे। गांधी पार्क, पब्लिक पार्क, वरिष्ठ नागरिक भ्रमण पथ, जेएनवीसी के पार्क, पीबीएम परिसर सहित कुछ पार्कों में पालसिए पेड़ों पर टांग रखे थे। उनमें भी लार्वा मिले।

पीबीएम हॉस्पिटल के मेडिसिन आउटडोर वायरल बुखार और डेंगू रोगियों से भरा हुआ है। रोज 800 से 1000 मरीज आ रहे हैं। इनमें से 50 से 70 मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। आए दिन कभी 20 तो कभी 43 रोगी पॉजिटिव आ रहे हैं। मेडिसिन के वार्ड फुल होने पर एमसीएच में डेंगू रोगियों को भर्ती किया जाने लगा है। वहां भी 50 बैड फुल हो गए हैं। नोडल अधिकारी डॉ. पी. डी. तंवर का कहना है कि जरूरत पड़ने पर 100 बैड भी किए जा सकते हैं।

12 कॉलोनियां हाई रिस्क जोन में है जिनमें तिलक नगर, अम्बेडकर कॉलोनी, शिवबाड़ी, रानी बाजार इंडस्ट्रीयल एरिया, शीतला गेट, बीछवाल इंडस्ट्रीयल एरिया, लाल गुफा, धोबीधोरा, धोबी तलाई, पुरानी गिन्नाणी, हनुमान हत्था, जयनारायण व्यास कॉलोनी। ग्रामीण क्षेत्रों में हाई रिस्क एरिया बरसिंगसर, लालमदेसर मगरा, जयमलसर, नालबड़ी, शोभासर, सवाईसर, जसनाथपुरा, पलाना, भोलासर, गजनेर, मोडिया, लालमदेसर छोटा, नोखा, काहिरा, व शामिल है।

डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, सीएमएचओ बीकानेर का कहना है कि डेंगू के मच्छरों को मारने के लिए शहर और गांवों के सभी ब्लॉक में एंटी लार्वा एक्टिविटी रोज की जा रही है। सभी चिकित्साधिकारियों को फील्ड में उतार दिया गया है। 1.70 लाख घरों में सर्वे हो चुका है।

मेघवाल व गोदारा आज कार्यों का लोकार्पण करेंगे

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा गुरूवार को लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे।

मेघवाल और गोदारा गुरूवार प्रात: 10 बजे लूणकरनसर के सहजरासर में ढाणी भोपालाराम से लूणकरणसर तक सीआरआईएफ सड़क के शिलान्यास करेंगे। प्रात: 11 बजे बामनवाली में ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण समारोह में करेंगे। दोपहर 12 बजे धीरेरां में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री मेघवाल तथा मंत्री गोदारा दोपहर 2 बजे ग्राम सुरनाणा में 33 केवी जीएसएस में 3.15 एमवीए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर तथा 3 बजे रोझा में 33 केवी जीएसएस का लोकार्पण करेंगे। सायं 5 बजे लूणकरनसर में पुस्तकालय व 6 बजे धीरदान के राजकीय विद्यालय में कक्षा कक्ष, टीनशेड व मुख्य द्वार का लोकार्पण करेंगे।

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर से छत्र चोरी करते कैमरे में कैद

बीकानेर, (कासं)। नत्थूसर गेट के बाहर स्थित एक मंदिर से चोर चांदी का छत्र चोरी हो गया। महज 24 घंटे में पुलिस ने चोरी करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल ये शख्स सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था।

नयाशहर थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी ने बताया कि थाना क्षेत्र में स्थित बिन्नाणी गर्ल्स कॉलेज के पास ही राज राजेश्वरी बाला त्रिपुरा सुंदरी माताजी का मंदिर है। इस मंदिर के पुजारी रामकुमार व्यास ने नयाशहर पुलिस को रिपोर्ट दी है। जिसमें कहा गया है कि सोमवार की देर रात मंदिर में चोरी हुई है, जिसका पता चला। निज मंदिर में माताजी प्रतिमा पर चांदी का छत्र लगा हुआ था, जो सुबह नहीं था।

आसपास और भी सामान संभाला तो वो भी गायब था। अज्ञात व्यक्ति ने देर रात मंदिर परिसर में प्रवेश करके चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चांदी का छत्र करीब 200 ग्राम का था। नगद रूपए भी मंदिर में थे, जो गायब हैं। मंदिर परिसर में रात तक लोगों का आना-जाना रहता है। ऐसे

- सीसीटीवी कैमरे में कैद चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया
- नत्थूसर गेट के बाहर त्रिपुरा सुंदरी माताजी मंदिर में चांदी का छत्र 200 ग्राम का था

में देर रात ही चोरी होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। मंदिर परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मामले की जांच नयाशहर थाने के हैड कांस्टेबल शीशराम को सौंपी गई है। तिवाड़ी ने बताया कि इस मामले में मुरलीधर व्यास नगर में रहने वाले तोलाराम को गिरफ्तार कर लिया गया है। तोलाराम को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

30 लाख की ठगी में बाप-बेटा गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। यहां नाल स्थित एयरफोर्स स्टेशन के एक जवान के साथ करीब तीस लाख रूपए की ठगी करने वाले बाप-बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ में पता चला कि बाप-बेटे अब तक देश के दस राज्यों में 36 लोगों को आईपीओ के नाम पर ही ठग चुके हैं। नाल थानाधिकारी महेन्द्र दत्त शर्मा ने बताया कि नाल एयरफोर्स के जवान अंकित कुमार को आईपीओ दिलाने के नाम पर 21 जून को ठगा गया। उसके बैंक खाते से करीब तीस लाख चालीस हजार रूपए ले लिए लेकिन आईपीओ नहीं मिला। उसकी शिकायत पर पुलिस ने छानबीन शुरू की। इस मामले में अब छत्तीसगढ़ निवासी प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव एवं उसके बेटे प्रियांक

- एयरफोर्स जवान से आईपीओ के नाम पर तीस लाख रूपए की ठगी

श्रीवास्तव को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों को बुधवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जायेगा।

पुलिस को पता चला है कि ये दोनों देश के कई राज्यों में ठगी कर चुके हैं। अब तक की जांच के मुताबिक इनके खिलाफ बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी बंगाल, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल, केरल, झारखंड व तेलंगाना में भी मामले दर्ज है। अब तक दोनों के खिलाफ 36 मामले दर्ज होने की पुष्टि हुई है।

कलेक्टर की जनसुनवाई आज

श्रीगंगानगर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा।

जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में 17 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट श्रीगंगानगर के वीसी कक्ष में रखी गई है।

जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरण एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी।

ऑनलाइन ठगों ने जाल में फंसाकर 4.80 लाख रूपये ठगे

बीकानेर, (कासं)। एक शख्स ने ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी प्लेटफार्म पर प्लान सलेक्ट कर 1000 रूपए इन्वेस्ट किए तो उसका अमाउंट 1400 रूपए हो गया। उसने रूपए विड्राल कर लिए जो खाते में आ गए। इससे उसे विश्वास हो गया और वह बड़ी रकम दांव पर लगा बैठा। ऑनलाइन ठगों ने उसे जाल में फांसकर 4.80 लाख रूपए ठग लिए। अब कोटगेट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पवनपुरी सुदर्शना नगर निवासी दीपक कपूर रूपयों के लालच में ऑनलाइन ठगी करने वालों के चंगुल में फंस गया। कोटगेट थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में उसने बताया है कि अनजान मोबाइल नंबर से उसके पास

- ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी प्लेटफार्म पर लालच में आकर 4.80 लाख गंवाए

व्हाट्सअप मैसेज आया और लिंक भेजा। उसे सब्सक्राइब करने पर 150 रूपए मिले। ऐसा कई बार हुआ। बाद में उसे बोला गया कि ऐसी कई सारी स्कीम हैं जिनसे पैसा कमाया जा सकता है। उसे क्रिप्टो करेंसी प्लेटफार्म पर अलग-अलग स्कीम दिखाई गई। ठगों ने उसका विश्वास हासिल कर लिया। इसके अलावा यू ट्यूब चैनल सब्सक्राइब करने पर 150 रूपए अलग से क्रेडिट होते रहे। उसके बाद 8 सितम्बर को प्रीपेड टास्क करने के लिए बोला गया।

उसने 3000 रूपए लगाये तो प्रॉफिट दिखने लगा। इस बार कहा गया कि रुपए विड्राल करने के लिए 5000 रूपए का एक और टॉस्क पूरा करना होगा। उसने ऐसा किया तो कुल 10480 रूपए उसके खाते में क्रेडिट कर दिए गए। रूपए आते देख दीपक का लालच बढ़ा और वह बड़ी रकम दांव पर लगाने लगा। उसने 4.80 लाख रूपए दांव पर लगा दिए। उसे प्रॉफिट सहित 7.22 लाख रूपए बताए गए लेकिन वह विड्राल नहीं हुए। इसके लिए उसे एक साथ पांच लाख रूपए का टास्क खेलने के लिए कहा गया।

देशनोक में करणी माता को 15 हजार किलो हलवा का लगाया भोग

देशनोक, (कासं)। देशनोक में बुधवार को श्री करणी माता मंदिर में अश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के दिन मां करणी को महाप्रसादी का भोग लगाया गया।

श्री करणी मंदिर निजी प्रन्यास के अध्यक्ष बादल सिंह ने बताया कि पंडित नरोत्तम दास मिश्रा ने सुबह विधिवत पूजा-अर्चना कर मां करणी को मंत्रोच्चार करवाकर पोशाक धारण करवाई। पूजन के बाद 15000 किलोग्राम के हलुए का भोग लगाया।

महाप्रसादी का आयोजन पुष्पा कंवर आढ़ा और डॉ. कैलाश सिंह चारण आसावत परिवार खिंनावड़ी जैतारण की ओर से करवाया गया। डॉ. कैलाश दान ने बताया कि मां करणी की लीला अपरम्पार है। आज मां करणी के आशीर्वाद से महाप्रसादी का आयोजन किया गया है। महाप्रसादी का विधिवत पूजा-अर्चना भोग लगाने के बाद पूरे देशनोक कस्बे व श्रद्धालुओं में वितरित

देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में सावन भादो महाप्रसादी का हलवा तैयार करते कारीगर।

किया जाता है। मंगलवार शाम को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक मां करणी की चिरजाओं का गुणगान किया गया।

महाप्रसाद के लिए हलवा, बूंदी या लापसी का भोग लगता है। पवन कुमार

- 20 क्विंटल आटा, 113 टीन देशी घी, 36 क्विंटल चीनी और 1.25 क्विंटल ड्राई फ्रूट्स से महाप्रसाद तैयार किया गया

पंचारिया ने बताया कि इसके लिए मिश्रण, अनुपात और वजन सब तय होता है। करीब 113 टिन देसी घी, 37 क्विंटल चीनी, 20 क्विंटल आटा और करीब सवा क्विंटल ड्राई फ्रूट्स का मिश्रण होता है। इस महाप्रसादी में केवल मंदिर के अंदर बनी बावड़ी के बरसाती पानी का ही उपयोग होता है। मंदिर प्रन्यास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सीतादान बारहठ ने बताया कि देशनोक मंदिर में बीकानेर रियासत के महाराजा गंगासिंह के समय से यह परंपरा शुरू हुई। लम्बे समय तक राज परिवार ही इस आयोजन को कराता रहा है। लेकिन बदलते समय में अब आम श्रद्धालु भी इसे करने में लग गए। अपनी मन्नत पूरी होने पर वे मां के दरबार में आते हैं और महाप्रसाद का आयोजन करते हैं।

धार्मिक आयोजन आज : श्री अजमीढ़ महाराज की जयंती के उपलक्ष में श्री मैढ़ क्षत्रिय सोनी ट्रस्ट, रानी बाजार द्वारा जयंती महोत्सव का आयोजन गुरूवार को किया जायेगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष बद्रीनारायण डांवर ने बताया कि श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार भवन में होने जा रहे इस धार्मिक आयोजन में सुबह दस श्री अजमीढ़ महाराज की पूजा अर्चना की जायेगी तथा महाआराती होगी। बाद में महाप्रसादी रखी गई है। कार्यक्रम में स्वर्णकार समाज के लोग मौजूद रहेंगे।

रिकॉर्ड संधारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने बुधवार को देशनोक के उप तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के रिकॉर्ड तथा फाइलों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड संधारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएं। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण किया जाए। कोई भी प्रकरण बेवजह लंबित नहीं रहें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का नियम सम्मत निस्तारण हो। जिला कलेक्टर ने कार्यालय में उचित साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय के सभी कक्षों सहित पूरा परिसर साफ-सुथरा और स्वच्छ रहे। परिसर में डस्टबिन रखने तथा इनका उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को जन सुनवाई करने

बीकानेर कलक्टर नम्रता वृष्णि ने देशनोक उप तहसील कार्यालय में रिकॉर्ड तथा फाइलों का अवलोकन किया।

और संपर्क पोर्टल के प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्मिक समय पर कार्यालय आएं। पत्रावलियां व्यवस्थित रखें। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार रमेश शर्मा तथा निवर्तमान नायब तहसीलदार रमेश सिंह मौजूद थे।

TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
वाइड रेंज के साथ बेहतरीन क्वालिटी मिलेगी
सिर्फ TRUE VALUE पे
CELEBRATING
50 LAKH
HAPPY FAMILIES
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
3 FREE SERVICES
3 फ्री सर्विस और 1 साल तक की वारंटी*
वेरिफाइड कार हिस्ट्री*
अधिक जानने के लिए स्कैन करें
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।
BIKANER: OPPOSITE BBS SCHOOL, JAIPUR ROAD, BIKANER, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 8875911509, 8003098512 | NEAR KALPATRU WAREHOUSE, NH-15, SRIGANGANAGAR, AURIC MOTORS: 7412059862, 8696543585 | NH-89 JAISALMER ROAD, BIKANER, DUDI MOTORS: 8306993375.